Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 200 | बुधवार, 29 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

एनडीए की मंगल मिलन मीटिंग, पहली बार टीएमसी से अलग हुए एनसीपीआई के सांसद भी हुए शामिल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद भवन परिसर में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस संसदीय दल की बैठक हुई।

यह बैठक इसलिए अहम थी क्योंकि संसद सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा करने की तैयारी कर रही है, जिसे केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया था। 'मंगल मिलन' नाम की इस बैठक में पहली

बार उन सांसदों ने भी हिस्सा लिया जो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर भारत की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

एनसीपीआई सांसद सयोनी घोष ने क्या कहा?

सांसद सयोनी घोष ने कहा, 'मैंने एनडीए की बैठक में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यह एक ज्ञानवर्धक और जानकारीपूर्ण सत्र था। आज हमने

मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) पर चर्चा की। यह एक सकारात्मक चर्चा थी।'

उन्होंने पेपर लीक विरोधी कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026 के लिए भी समर्थन की अपील की। इस बिल पर मंगलवार को बाद में चर्चा होनी है। एनसीपीआई में शामिल होने के बाद सांसदों ने एनडीए के लिए अपना समर्थन दोहराया।

एनसीपीआई के 20 सांसद हुए शामिल

एक और एनसीपीआई सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि यह पहली बार था जब 20 एनसीपीआई सांसदों को एनडीए की मंगल मिलन बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, 'हमें देश की प्रगति, मुक्त व्यापार समझौतों और किसानों से जुड़े मुद्दों के बारे में जानकारी मिली। हमारे साथ साझा की गई जानकारी और डेटा की मदद से हम इन घटनाक्रमों के बारे में जनता को भी समझा सकेंगे।'

'कैमरा नहीं, दिल का एंगल बदलिए', पीएम मोदी के इंस्टाग्राम रील्स पर प्रियंका गांधी का तंज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को 'लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026' पर चर्चा के दौरान जोरदार बहस देखने को मिली। इस दौरान कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर रील्स बनाने को लेकर तंज सका। उन्होंने पेपर लीक को लेकर मोदी सरकार पर कई आरोप भी लगाए। प्रियंका गांधी ने सदन में कहा, 'ये पीढ़ी झूठ को पहचानने की जबरदस्त क्षमता रखती है। प्रधानमंत्री को अपने कैमरों का एंगल बदलने के बजाय अपने दिल का एंगल बदलने की जरूरत है।' इस दौरान कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बीते 10 सालों में देश में 152 पेपर लीक हुए हैं और पूरी परीक्षा प्रणाली विफल हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां होने के बावजूद एक भी परीक्षा माफिया को सजा नहीं दी गई है। प्रियंका गांधी ने कहा, 'आपकी सरकार के दौरान युवाओं के साथ नाइंसाफी हुई है, इस सच को कबूल कीजिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार को सभी हितधारकों को साथ लेकर एक नई और पारदर्शी शिक्षा प्रणाली कायम करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

भारत की पाकिस्तान को दो टूक, खारिज किए पीओजेके के चुनाव, कहा- यह अवैध कब्जे को छिपाने की कोशिश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने इन चुनावों से जुड़ी खबरें देखी हैं और यह पूरी कवायद पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश है। रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों से जुड़ी खबरें देखी हैं। जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश, जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जो इस समय पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे में हैं, भारत के अभिन्न अंग हैं।'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'यह मौजूदा दिखावटी चुनावी प्रक्रिया पाकिस्तान के अवैध कब्जे पर पर्दा डालने और क्षेत्र में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों को छिपाने की एक कोशिश मात्र है।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शन वहां के लोगों के आर्थिक शोषण, उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किए जाने और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं। भारत-चीन सीमा व्यापार पर रणधीर जायसवाल ने कहा, 'अगस्त 2025 में, दोनों पक्षों ने तीन निर्दिष्ट व्यापारिक बिंदुओं, यानी लिपुलेख दर्रा, शिपकी ला दर्रा और नाथू ला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी।'

उन्होंने बताया, 'विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 27 से 28 जुलाई तक चीन की आधिकारिक यात्रा की। उन्होंने बीजिंग में अपने आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरूआत चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के अंतर्राष्ट्रीय विभाग की उप मंत्री सुन हैयान से मुलाकात के साथ की।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पाकिस्तान के युवाओं द्वारा भारत में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में आई रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि भारत इस बात से भली-भांति अवगत है कि पाकिस्तान दशकों से भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है। जयसवाल ने जोर देकर कहा कि भारत के लोग, जिनमें जेन जी भी शामिल है, पाकिस्तान से अपने राज्य-प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके समकक्ष इस पर गंभीरता से ध्यान दे रहे हैं। प्रवक्ता जायसवाल ने बताया, 'उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दोनों नेताओं के मार्गदर्शन के कार्यान्वयन को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

इसके बाद, विदेश सचिव ने चीन की विदेश मामलों की उप मंत्री हुआ चुनयिंग से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों पर समग्र रूप से चर्चा की और व्यापार और आर्थिक संबंधों, संस्कृति और जन-जन आदान-प्रदान के माध्यम से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणामों सहित, भारत और चीन को साझेदार और एक-दूसरे के लिए विकास के अवसर मानने वाले दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के साधनों पर विचार-विमर्श किया।'

शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर राहुल गांधी का संगीन आरोप, कहा- बलात्कारियों का रक्षक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी पर तीखा हमला किया। उन्होंने जोशी को 'बलात्कारियों का बचाव करने वाला' बताया और उन्हें इस पद पर नियुक्त करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर सवाल उठाए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि जोशी ने बिलकिस बानो मामले में दोषी ठहराए गए लोगों का बचाव किया था। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति के पास शिक्षा मंत्रालय का प्रभार नहीं होना चाहिए।

गांधी ने कहा कि बीजेपी ने ऐसे व्यक्ति को चुना है जो बलात्कारियों का बचाव करता है। वह बेहद घटिया किस्म का इंसान है। जो व्यक्ति कहता है कि बलात्कारियों को सुरक्षा की जरूरत है, उससे ज्यादा घटिया इंसान कोई नहीं हो सकता।

और आज वही व्यक्ति भारत का शिक्षा मंत्री है। उन्होंने प्रधानमंत्री की पसंद पर भी सवाल उठाए और कहा कि कई अन्य मंत्री भी थे जिन्हें यह ज़िम्मेदारी सौंपी जा सकती थी। राहुल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का यह रवैया अजीब है। उनकी कैबिनेट में इतने सारे लोग हैं, वे उनमें से किसी को भी चुन सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना जो बलात्कारियों का बचाव करता है। वाकई हैरान करने वाली बात है।

प्रल्हाद जोशी को केंद्रीय शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था, जब उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान का स्थान लिया, जिन्होंने मुख्य रूप से कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हफ्तों तक चले छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया था।

इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही के दौरान, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी जोशी की नियुक्ति पर सवाल उठाए। उन्होंने बिलकिस बानो मामले में दोषियों की रिहाई को लेकर जोशी की कथित टिप्पणियों का ज़िक्र किया। बहस के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति की है—एक ऐसे व्यक्ति की, जिसने गर्भवती महिला के साथ बलात्कार के दोषियों की रिहाई पर सहमति और खुशी जाहिर की थी।

भारतीय तटरक्षक बलों के लिए ऐतिहासिक नीति सुधारों का आगाज, राजनाथ सिंह ने किया अनावरण

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए दो महत्वपूर्ण नीति सुधारों का अनावरण किया। इसका उद्देश्य अधिकारियों की भर्ती और सेवा की शर्तों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने की प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, महानिदेशक (डीजी) आईसीजी परमेश शिवमणि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

पिछले पांच दशकों में आईसीजी की उत्कृष्ट सेवा की सराहना करते हुए राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि ये भविष्यदृष्टि वाली नीतियां बल के मनोबल और संचालनात्मक क्षमता को और मजबूत करेंगी, क्योंकि यह 2027 में अपने स्वर्णिम जयंती की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया कि आईसीजी को एक आधुनिक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार समुद्री बल के रूप में मजबूत किया जाएगा। पहली नीति निर्देशिका महिला-केंद्रित दृष्टिकोण स्थापित करती है, जो आईसीजी में अधिकारियों की भर्ती के लिए तटस्थ लैंगिक ढांचे का स्वागत करती है। नीति के मुख्य बिंदुओं में महिला उम्मीदवारों की भर्ती को उनके पुरुष समकक्षों के समान शार्ट सर्विस अप्वाइंटमेंट्स (एसएसए) और परमानेंट अप्वाइंटमेंट्स (पीए) में शामिल किया गया है।

एसएसए पुरुष उम्मीदवारों के लिए भी खोला गया है। मौजूदा पीए महिला अधिकारियों को भी पात्रता शर्तों को पूरा करने पर उच्च पदों के लिए पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा। मौजूदा सेवा में महिला अधिकारी जो एसएसए पर हैं, उन्हें निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर पीए में परिवर्तित करने का विकल्प भी दिया जाएगा।

दूसरा नीति सुधार उन कर्मियों के निकटतम रिश्तेदारों (एनओके) को राहत और प्रशासनिक सुविधा प्रदान करता है, जो दुर्भाग्यवश ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता हो जाते हैं। नीति के मुख्य बिंदुओं में ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता आईसीजी कर्मी को 'अनुमानित मृत' घोषित करने का अधिकार शामिल है, ताकि अनुग्रह राशि के लिए प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके। यह सुधार एनओके को अनुग्रह मुआवजे और अंतिम लाभों की प्रक्रिया को सरल और तेज करता है। यह उपाय सुनिश्चित करता है कि बहादुर कर्मियों के परिवार मानसिक आघात के समय में लंबे प्रशासनिक विलंब का सामना न करें।

स्वतंत्र जांच क्यों नहीं हो रही? कानून हाथ में लेने वालों पर हो कार्रवाई; छात्रों पर पुलिस एक्शन पर सख्त सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हालिया छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा की सभी घटनाओं की निष्पक्ष, पारदर्शी और गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 'निर्धारित प्रोटोकॉल' का उल्लंघन होने पर कानून को अपना काम करना चाहिए। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने को लेकर देशभर में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने हिंसा की कई घटनाओं का जिक्र किया। सुनवाई के शुरूआत में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की सदस्यता वाली पीठ ने सवाल किया कि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच क्यों नहीं होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "जिस किसी ने भी ज्यादती की है या कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।" वकीलों की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए पीठ ने कहा कि विरोध कर रहे नीट छात्रों पर पुलिस की ज्यादतियों से जुड़े सभी आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच जरूरी है। पीठ ने कहा, "अगर तय प्रोटोकॉल का उल्लंघन होता है, तो कानून को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।" प्रधान न्यायाधीश सूयकांत ने कहा कि पीठ सभी आरोपों की स्वतंत्र, पारदर्शी और गहन जांच कराने पर विचार कर रही है।

'एक प्रधान हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया', अखिलेश यादव का तंज; शिक्षा व्यवस्था पर क्या बोले?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में पेपर लीक रोकने से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई लंबी चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख सांसद अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन का नतीजा बताया। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया। उन्होंने दावा किया कि करोड़ों युवाओं के दबाव के कारण सरकार को झुकना पड़ा और अब सरकार को आंदोलन के दौरान किए गए सभी आश्वासन भी सार्वजनिक करने चाहिए।

अखिलेश यादव ने कहा कि वह शुरू से इस आंदोलन को देख रहे थे। उनके मुताबिक, आंदोलन के बाद एक नारा सबसे ज्यादा सुनाई दिया कि सरकार को लगता था वह कभी नहीं झुकेगी, लेकिन युवाओं ने साबित कर दिया कि झुकाने वाला चाहिए, सरकार भी झुकती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों की पहली बड़ी मांग स्वीकार करते हुए धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने अन्य मांगों पर भी सहमति बनाई है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा कि उन आश्वासनों को संसद के सामने क्यों नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब धर्मेंद्र प्रधान मंत्री पद छोड़ने के बाद संसद पहुंचे तो उनका स्वागत हुआ, लेकिन इस फैसले से सदन के कई सदस्यों ने राहत की सांस ली होगी।

क्या छात्र आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर किया?

अखिलेश यादव ने कहा कि यह पहला ऐसा छात्र आंदोलन था, जिसमें केवल छात्र ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता भी खुलकर साथ आए। उन्होंने कहा कि लगभग 20 लाख छात्रों ने

परीक्षा दी थी और अगर उनके परिवारों को भी जोड़ लिया जाए तो करोड़ों लोग इस मुद्दे से प्रभावित हुए। उनके मुताबिक, यही कारण था कि आंदोलन इतना बड़ा बन गया। उन्होंने कहा कि आंदोलन की सफलता ने यह भी दिखाया कि सरकार तब ही मांगें मानती है, जब उस पर दबाव बनता है। उन्होंने 2020-21 के किसान आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार ने चुनाव नजदीक आने पर तीनों कृषि कानून वापस ले लिए थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्रों की बाकी मांगें भी सरकार स्वीकार करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जो दल शुरूआत में मजाक लगता था, वह आगे चलकर बड़ा आंदोलन बन गया और सरकार को झुकना पड़ा।

पेपर लीक और एनटीए को लेकर अखिलेश ने क्या सवाल उठाए?

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने 2024 में भी पेपर लीक रोकने के लिए कानून बनाया था, फिर उसके बाद भी नीट-यूजी 2026 जैसी परीक्षा में कथित पेपर लीक कैसे हो गया। उन्होंने कहा कि अगर कानून प्रभावी होता तो सरकार को दोबारा संशोधन विधेयक लाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में कई परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं। उन्होंने दरोगा भर्ती, जूनियर इंजीनियर भर्ती, ग्राम विकास पंचायत अधिकारी भर्ती, नलकूप चालक भर्ती, यूपीटीईटी, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा, सिपाही भर्ती, सहायक प्रोफेसर भर्ती और लेखपाल भर्ती जैसी परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कई मामलों में अदालत तक जाना पड़ा और परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (ठळअ) में आउटसोर्स व्यवस्था अपनाई गई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को डर है कि जिस तरह परीक्षाएं आउटसोर्स हुई हैं, कहीं पूरी सरकार ही आउटसोर्स न हो जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया में आउटसोर्स कर्मचारियों की भूमिका और जवाबदेही स्पष्ट की जाए।

शिक्षा व्यवस्था और स्कूलों पर क्या आरोप लगाए?

समाजवादी पार्टी प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनने के बाद शिक्षा, परीक्षा और विश्वविद्यालयों की व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को एक रंग में रंगने का प्रयास किया, जिससे छात्रों में नाराजगी बढ़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सबसे पहले प्राथमिक विद्यालयों पर हमला किया और बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल बंद कर दिए। अखिलेश ने दावा किया कि देश में एक लाख से अधिक सरकारी प्राथमिक विद्यालय बंद हुए हैं और उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 26,386 स्कूल बंद किए गए। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा नुकसान गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चों को हुआ, क्योंकि उनकी पढ़ाई की शुरूआत सरकारी स्कूलों से होती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई और प्रभावित अभ्यर्थी वर्षों से अदालतों और सरकार के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि माध्यमिक विद्यालय भी बंद किए जा रहे हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों में नियुक्तियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में एक स्वतंत्र सेनानी के नाम पर यूनिवर्सिटी बनी मौलाना जौहर यूनिवर्सिटी।

संपादक की कलम से

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुनः स्थापित करने का महापर्व

ललित शर्मा
संपादक

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है–गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन–'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः'–केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन–मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया। भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान–परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन–दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है। मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश–स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन–दृष्टि से मुझे बार–बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ–प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वर्तमान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णतः व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु–शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार–बार नई दिशा, नई चेतना और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं। आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है।

पर्यावरण की करें श्रृंगार

उदय किशोर साह

कविता

पर्यावरण की आओ करेंगें हम श्रृंगार
बंजर भुमि पर पौधा लगायें सौ बार
धरती की गोद रहे हरा भरा मेरे यार
पर्यावरण की संरक्षण हो नीला संसार

आम नीम जामुन अमरुद . को बुलायें
पीपल बरगद प्लास को भी समझायें
प्राणवायु की दो हमें . तुम सब उपहार
जीवन के लिये मिले तुम सब का प्यार

मिट्टी की क्षय होने से हम सब बचायें
वर्षा की बाढ़ से मिट्टी बहने ना पाये
अक्षुण्ण रहे ये जंगल वन परिवार
तब जिन्दा रहेगा ये तन का उपहार

पेड़ पौधे की महत्ता जन जन को बतायें
पेड़ पौधे हमारी जीवन में है समाये
इसके बिना ये जीवन है सदा अंधकार
सब काम छोड़ आ वृक्ष लगायें अपार

धरती की हरितमा से है हमारी हरियाली
बदरा को बुलायेगा जंगल मेघा काली
तब होगी सावन में बुंदों की बरसात
वर्षा से होगी धरती की तब मुलाकात

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

ज़िंदगी की दौड़ में, पहले पढ़िए

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आज का समय प्रतिस्पर्धा का समय है। हर व्यक्ति किसी न किसी दौड़ में शामिल है। विद्यार्थी अच्छे अंक प्राप्त करने की होड़ में हैं, युवा बेहतर नौकरी की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं, व्यापारी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में लगे हैं और हर कोई सफलता की सीढ़ियाँ तेजी से चढ़ना चाहता है। लेकिन इस तेज रफ्तार जीवन में एक ऐसी आदत है, जिसे हम धीरे-धीरे पीछे छोड़ते जा रहे हैं-पढ़ने की आदत। वास्तव में, यदि जीवन की दौड़ में आगे निकलना है तो सबसे पहले पढ़ना सीखना होगा।

पढ़ना केवल किताबों के पन्ने पलटना नहीं है, बल्कि यह स्वयं को बेहतर बनाने की एक सतत प्रक्रिया है। पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शोध-पत्र और अच्छा साहित्य हमें वह ज्ञान देते हैं जो अनुभवों को समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है। हर सफल वैज्ञानिक, शिक्षक, लेखक, उद्यमी और नेता के जीवन में पढ़ने की आदत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

किताबें हमारे सबसे अच्छे मित्र होती हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के हमें ज्ञान, प्रेरणा और अनुभव प्रदान करती हैं। एक अच्छी पुस्तक हमें उन लोगों के जीवन से परिचित कराती है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। उनके संघर्ष, धैर्य और सफलता की कहानियाँ हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इस प्रकार, एक पुस्तक हमें वर्षों का अनुभव कुछ ही घंटों में उपलब्ध करा देती है।

विद्यार्थियों के लिए पढ़ना सबसे बड़ी पूँजी है। केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहने से ज्ञान सीमित रह जाता है। जब विद्यार्थी जीवनी, विज्ञान, इतिहास, साहित्य, पर्यावरण और समसामयिक विषयों पर पुस्तकें पढ़ते हैं तो उनकी सोच व्यापक होती है। उनकी भाषा समृद्ध होती है, कल्पनाशक्ति बढ़ती है, लेखन और संवाद कौशल विकसित होते हैं तथा वे समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से कर पाते हैं।

आज डिजिटल युग में जानकारी की कोई कमी नहीं है, लेकिन सही जानकारी का चयन करना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। सोशल मीडिया पर हर दिन असंख्य संदेश और वीडियो हमारे सामने आते हैं, जिनमें से सभी सत्य नहीं होते। नियमित पढ़ने की आदत हमें तथ्यों और अफवाहों में अंतर करना सिखाती है। यह हमारी तार्किक सोच को मजबूत करती है और हमें जिम्मेदार तथा जागरूक नागरिक बनाती है। पढ़ना केवल ज्ञान ही नहीं बढ़ाता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। एक अच्छी पुस्तक तनाव कम करती है, एकाग्रता बढ़ाती है और मन को सकारात्मक दिशा देती है। मोबाइल स्क्रीन पर घंटों बिताने की तुलना में कुछ समय पुस्तक के साथ बिताना हमारे मस्तिष्क को अधिक शांत और सक्रिय बनाता है। पढ़ने से धैर्य, अनुशासन और गहराई से सोचने की क्षमता विकसित होती है। माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि घर में पुस्तकों का वातावरण होगा, माता-पिता स्वयं पढ़ेंगे और विद्यालयों में पुस्तकालय, पुस्तक चर्चा, वाचन प्रतियोगिताएँ तथा पठन अभियान चलाए जाएँगे, तो बच्चों में पढ़ने की स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। आज ई-पुस्तकों, ऑडियो बुक्स और डिजिटल पुस्तकालयों ने पढ़ने को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। माध्यम बदल गया है, लेकिन उद्देश्य वही है-सीखना, समझना और स्वयं को बेहतर बनाना। चाहे पुस्तक कागज पर हो या मोबाइल की स्क्रीन पर, पढ़ना हमेशा विकास का सबसे विश्वसनीय साधन रहेगा। जीवन की दौड़ केवल तेज दौड़ने वालों की नहीं होती, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने वालों की होती है। सही दिशा ज्ञान से मिलती है और ज्ञान पढ़ने से। जो व्यक्ति पढ़ता है, वह हर दिन स्वयं को और अधिक सक्षम बनाता है। उसके निर्णय बेहतर होते हैं, उसका व्यक्तित्व प्रभावशाली बनता है और वह समाज के लिए अधिक उपयोगी सिद्ध होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बच्चों और युवाओं को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें पढ़ने का आनंद भी सिखाएँ। जब पढ़ना आदत बन जाता है, तब सीखना जीवन भर की प्रक्रिया बन जाता है। यही आदत व्यक्ति को बदलती है, समाज को बदलती है और अंततः राष्ट्र के विकास में योगदान देती है।

याद रखिए, जीवन की दौड़ में सबसे बड़ी बढ़त तेज दौड़ने से नहीं, बल्कि पहले पढ़ने से मिलती है। इसलिए सफलता की ओर पहला कदम उठाइए-पहले पढ़िए, फिर आगे बढ़िए।

स्तूप ने साबित कर दिया- असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, संस्कृति में है

प्रो. आरके जैन
लेखक

इतिहास की सबसे बड़ी शक्ति यह नहीं कि वह अतीत में दर्ज है, बल्कि यह कि वह हर युग में वर्तमान को दिशा देता है। 25 जुलाई 2026 को यूनेस्को द्वारा सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाना केवल एक पुरातात्विक स्थल का सम्मान नहीं, बल्कि उस भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा का विस्तार है जिसने कभी अपने विचारों से दुनिया को मार्ग दिखाया था। युद्ध, क्षेत्रीय संघर्ष, जलवायु संकट और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच सारनाथ का यह सम्मान एक वैकल्पिक संदेश है। यह सिद्ध करता है कि किसी सभ्यता की वास्तविक शक्ति उसके शस्त्रों में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में होती है जो पीढ़ियों तक मानवता का पथ प्रकाशित करते हैं। भारत ने इस उपलब्धि के साथ अपने अतीत को इतिहास की धरोहर भर नहीं रहने दिया, बल्कि उसे आधुनिक विश्व-राजनीति की प्रभावशाली भाषा बना दिया। इसके साथ भारत के विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 45 हो गई है, जो उसकी सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का सशक्त प्रमाण है।

सारनाथ वह पावन भूमि है जहाँ बुद्ध ने प्रथम उपदेश देकर करुणा, मध्यम मार्ग और अहिंसा का ऐसा संदेश दिया, जिसने पूरे एशिया की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दी। आज इसका महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की सशक्त सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुका है। जब अनेक देश सैन्य गठबंधनों, आर्थिक प्रतिबंधों और रणनीतिक दबावों से अपना प्रभाव बढ़ाने में लगे हैं, तब भारत संवाद, सह-अस्तित्व और सांस्कृतिक विरासत को अपनी कूटनीति का आधार बना रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता विश्व मंच पर भारत की उस विशिष्ट पहचान को और मजबूत करती है, जो केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति से नहीं, बल्कि शांति, ज्ञान और सभ्यताओं को जोड़ने की अपनी ऐतिहासिक क्षमता से नेतृत्व करने का विश्वास रखती है। यही आधुनिक भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता है।

सारनाथ की असली शक्ति उसके अतीत में नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देने की उसकी क्षमता में है। मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतुलित जीवनशैली से जूझती दुनिया में करोड़ों युवा माइंडफुलनेस और मेडिटेशन के माध्यम से शांति खोज रहे हैं। ऐसे समय में सारनाथ केवल स्मारकों का परिसर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का वैश्विक केंद्र बन सकता है। यहाँ विश्वस्तरीय माइंडफुलनेस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं बौद्ध अध्ययन संस्थान, वर्चुअल रियलिटी आधारित ध्यान अनुभव और डिजिटल सांस्कृतिक संग्रहालय विकसित किए जा सकते हैं। प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक का यह संगम भारत को केवल पर्यटन का नहीं, बल्कि वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संतुलन का केंद्र बना सकता है। तब सारनाथ इतिहास की धरोहर भर नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन जाएगा।

इस उपलब्धि का समय भी बेहद अर्थपूर्ण है। जब पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनाव युद्ध की आशंकाएँ बढ़ा रहे हैं, मिसाइलें संवाद की जगह ले रही हैं और मानसून की बाढ़ मानव सभ्यता की नाजुकता उजागर कर रही है, तब सारनाथ दुनिया को एक अलग रास्ता दिखाता है। वह याद दिलाता है कि विनाश की दौड़ कभी स्थायी शांति नहीं दे सकती।

बुद्ध का मध्यम मार्ग आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना ढाई हजार वर्ष पहले था। भारत इस धरोहर के माध्यम से केवल संदेश नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक कूटनीतिक दृष्टि प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ संघर्ष की जगह संतुलन, टकराव की जगह संवाद और प्रभुत्व की जगह साझेदारी को महत्व मिलता है। यही सभ्यतागत कूटनीति भारत को पारंपरिक महाशक्तियों से अलग और विशिष्ट पहचान देती है। सारनाथ का महत्व केवल वैचारिक नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी दूरगामी है। विश्व धरोहर का दर्जा आध्यात्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था और वेलनेस आधारित विकास के नए द्वार खोलेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, पर्यटन मार्गदर्शकों, होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाओं और युवा उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

यह केवल रोजगार नहीं बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय परंपराओं और शिल्प को भी नया जीवन देगा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि विकास प्रकृति और संस्कृति के संतुलन के साथ आगे बढ़ेगा। सारनाथ बताता है कि सतत विकास केवल आधारभूत ढाँचे का विस्तार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ आर्थिक प्रगति का संतुलित मॉडल है।

यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य ऐतिहासिक स्थलों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है। सारनाथ का संदेश किसी एक राष्ट्र या धर्म तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिक चुनौतियाँ, सामाजिक ध्रुवीकरण और वैश्विक अविश्वास के दौर में बुद्ध का अनित्य, संतुलन और करुणा का दर्शन पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यूनेस्को की मान्यता इस सत्य को वैश्विक स्वीकृति देती है कि प्राचीन सभ्यताएँ समय के साथ पुरानी नहीं पड़तीं, बल्कि नए युग को नए समाधान देती हैं।

सारनाथ अब केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत है। इसलिए उसका संरक्षण केवल स्मारकों की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक मूल्यों के संरक्षण का भी दायित्व है। सारनाथ की यह उपलब्धि भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है-ऐसा आत्मविश्वास, जो अपनी जड़ों से शक्ति लेकर भविष्य की दिशा तय करता है। यह सम्मान किसी स्मारक या स्तूप का नहीं, बल्कि उस विचार का है जिसने हिंसा के बीच करुणा, विभाजन के दौर में संवाद और निराशा के समय आशा का मार्ग दिखाया। आज भारत विश्व मंच पर केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति से नहीं, बल्कि अपनी सभ्यतागत चेतना और नैतिक दृष्टि के कारण भी सुना जा रहा है। यूनेस्को में सारनाथ का स्थान इसी नई वैश्विक भूमिका की औपचारिक स्वीकृति है। यह उपलब्धि स्पष्ट करती है कि इक्कीसवीं सदी का नेतृत्व केवल शक्ति से नहीं, बल्कि विचार, संस्कृति और विश्वास से तय होगा। प्राचीन भारत की यह धरोहर आधुनिक भारत की कूटनीति को नई ऊँचाई देती है और सिद्ध करती है कि भविष्य उसी का होगा, जो इतिहास को बोझ नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य का आधार बना सके।

भारत-अमेरिका करार और कृषि क्षेत्र पर मंडराता संकट

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कई महीनों से अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों देशों के अधिकारियों के सार्वजनिक बयानों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अधिकांश मुद्दों पर सहमति बनने की दिशा में प्रगति हुई है। वास्तव में गत फरवरी में अंतरिम समझौते के तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से अमेरिका के व्यापार को आने वाले वर्षों में 500 अरब डालर तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षा व्यक्त की थी। इसी दिशा में दोनों देशों ने बातचीत और प्रयास तेज कर दिए हैं तथा समझौते को अंतिम रूप देने की तैयारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में अमेरिका से भारत का आयात लगभग 45-50 अरब डालर के आसपास है। यदि व्यापार को कई गुना बढ़ाना है, तो यह समझना आवश्यक है कि अमेरिका किन क्षेत्रों में भारत का बाजार अपने लिए खोलना चाहता है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है कि अमेरिका के दबाव या लालच में आकर भारत का कोई भी महत्वपूर्ण क्षेत्र बर्बाद न हो जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल यह पूरी कवायद कृषि और डेयरी क्षेत्र की ओर संकेत कर रही है। अब तक भारत ने इन दोनों क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए संरक्षणवादी नीति अपनाई है। यही नीति करोड़ों किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा का आधार रही है। लेकिन व्यापार वाताओं से जुड़ी सार्वजनिक चचाओं और रिपोर्टों से संकेत मिले हैं कि इन क्षेत्रों में अमेरिका को कुछ रियायतें देने पर विचार किया जा सकता है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यदि ऐसा हुआ तो अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में आएंगे और प्रतिस्पर्धा बढ़ने से स्थानीय किसानों के हित प्रभावित होना तय माना जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नीति-निमार्ताओं को पहले यह समझना होगा कि भारत और अमेरिका की कृषि व्यवस्था पूरी तरह अलग है। अमेरिका की खेती पूंजीप्रधान है और वहां खेती मुख्यतः व्यवसाय के लिए की जाती है। उसका अमेरिकी जीडीपी में योगदान केवल 1 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त अमेरिकी किसानों को सरकार से अरबों डालर की सब्सिडी भी मिलती है। वहीं भारत की खेती श्रमप्रधान है और भारतीय जीडीपी में उसका योगदान लगभग 16 प्रतिशत है। इसके अलावा देश की लगभग 46 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। यहां खेती केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का प्रमुख आधार है। अमेरिका में किसानों की स्थिति किसी कल्पना से कम नहीं है। वहां सरकार किसानों को भारी लाभ पहुंचाने के लिए लाखों-करोड़ों रुपए की सब्सिडी देती है। दूसरी ओर भारत में किसानों को नाममात्र की सहायता और सब्सिडी मिलती है, जबकि उसकी घोषणाओं का खूब प्रचार किया जाता है। कई बार किसानों के खातों में जितनी राशि नहीं पहुंचती, उससे अधिक धन प्रचार-प्रसार पर खर्च कर दिया जाता है। इसके अलावा खेती की पद्धति, मशीनें, बीज, सरकारी समर्थन और संसाधनों के मामले में भी दोनों देशों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। अमेरिका में किसान एक पेशेवर उद्यमी की तरह खेती करते हैं और लाभ कमाते हैं, जबकि भारत में खेती जीवनशैली, पारिवारिक परंपरा और रोजगार का साधन है। भारतीय और अमेरिकी किसानों के बीच का अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। अमेरिका में किसानों के पास सैकड़ों-हजारों एकड़ के विशाल खेत, अत्याधुनिक मशीनें, उन्नत सुविधाएं और लाखों रुपए की आय होती है। दूसरी ओर भारत में अधिकांश किसानों के पास मुश्किल से दो-चार बीघा जमीन होती है। उन्हें ट्रैक्टर किराए पर लाने, सिंचाई की व्यवस्था, वर्षा की अनिश्चितता और उपज का उचित मूल्य मिलने जैसी चिंताओं से लगातार जूझना पड़ता है। भारत में गिनेचुने किसान ही समृद्ध कहे जा सकते हैं, जबकि बड़ी संख्या ऐसे किसानों की है, जिनके लिए परिवार का भरण-पोषण करना भी कठिन होता है। यदि एक फसल खराब हो जाए तो उनका पूरा जीवन संकट में पड़ जाता है। सबसे बड़ा अंतर खेती की जमीन के आकार में है। अमेरिका में एक किसान के पास औसतन 180 हेक्टेयर अर्थात लगभग 450 एकड़ भूमि होती है। कई कृषि कंपनियों के पास तो हजारों एकड़ जमीन है। इसके विपरीत भारत में एक किसान के पास औसतन केवल 1.08 हेक्टेयर यानी लगभग 2.7 एकड़ जमीन है। भारत के लगभग 85 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत वर्ग में आते हैं। उनके पास पर्याप्त भूमि, संसाधन और सरकारी सहायता का अभाव है। दूसरी ओर अमेरिका में किसान वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रिसिजन फार्मिंग अपनाते हैं। वहां जीपीएस और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित ट्रैक्टर और मशीनें जुताई से लेकर बुवाई तक का काम करती हैं। किसान ड्रोन और उपग्रह चित्रों के माध्यम से अपने खेतों की निगरानी करते हैं। खेतों में पानी और उर्वरक देने के लिए भी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाता है। तकनीक यह बताती है कि खेत के किस हिस्से में कितनी सिंचाई या खाद की आवश्यकता है। मिट्टी की नमी और पोषक तत्वों की जानकारी डिजिटल सेंसरों से प्राप्त होती है और किसानों को यह सारी जानकारी उनके स्मार्टफोन या टैबलेट पर उपलब्ध हो जाती है। इसके विपरीत भारत के अधिकांश किसानों के लिए ऐसी तकनीक अभी भी केवल कल्पना है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए तो बैलों की जगह ट्रैक्टर मिल जाना ही किसी सपने के सच होने जैसा है। ट्रैक्टर और थ्रेशर जैसी मशीनें ही उनके लिए आधुनिक तकनीक मानी जाती हैं। अमेरिकी किसान अपनी विशाल कृषि उपज का विपणन वैश्विक स्तर पर करते हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुरूप मूल्य मिलता है। भारत में भी बड़ी मात्रा में कृषि उत्पादन होता है और उसका निर्यात होता है, लेकिन उससे होने वाला अधिकांश लाभ व्यापारियों और बिचौलियों को मिल जाता है। किसानों तक उसका उचित हिस्सा नहीं पहुंच पाता। भारत की व्यवस्था ऐसी है कि कई बार किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी मिल जाता है, लेकिन वास्तविक लाभ फिर भी उनके हाथ नहीं लगता। अमेरिकी किसान प्रायः एफएमसीजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के साथ पहले से अनुबंध कर लेते हैं। लाखों टन उपज की खरीद पहले ही तय हो जाती है। फसल तैयार होने से पहले ही कीमत, बिक्री और अन्य शर्तें निश्चित हो जाती हैं, इसलिए किसानों को बाजार की चिंता नहीं रहती। विशेषज्ञों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अमेरिकी सरकार हर वर्ष अपने किसानों को लगभग 30 अरब डालर की भारी वित्तीय सहायता और सब्सिडी देती है। जबकि भारत में 85 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत हैं, जो बिजली, उर्वरक और सीमित सरकारी सहायता के सहारे खेती करते हैं। यदि सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी कृषि उत्पाद बिना शुल्क के भारत में आने लगे, तो भारतीय किसान स्थानीय बाजार में ही प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, लेकिन यहां का डेयरी क्षेत्र बड़ी कंपनियों के बजाय छोटे पशुपालकों और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका का आधार है। भारत में डेयरी केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण का माध्यम भी है। अमेरिका में गायों को दिए जाने वाले चारे, हार्मोन के उपयोग और डेयरी उत्पादन की पद्धति भारत की धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं से भी मेल नहीं खाती। यदि अमेरिकी पनीर, मक्खन और मिल्क पाउडर सस्ते दामों पर भारतीय बाजार में आने लगे, तो 'अमूल' जैसी सहकारी संस्थाओं और करोड़ों छोटे दुग्ध उत्पादकों की आय पर सीधा आघात होगा। दूसरी ओर भारत में वर्तमान में केवल लगभग 6 प्रतिशत किसानों को ही अपनी उपज का पूरा समर्थन मूल्य मिल पाता है। शेष 94 प्रतिशत किसानों को खुले बाजार में ही अपनी उपज बेचनी पड़ती है। यदि विदेशी कृषि उत्पाद सस्ते दामों पर भारतीय मंडियों में उपलब्ध होंगे, तो खुले बाजार के भाव और गिर जाएंगे, जिससे किसानों के लिए खेती की लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा। अमेरिका बड़े पैमाने पर आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलों का उत्पादन करता है। यदि ऐसे उत्पाद भारत में बड़े स्तर पर आए, तो स्थानीय बीजों पर विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों का प्रभुत्व बढ़ने का खतरा रहेगा। सबसे बड़ा असर ग्रामीण रोजगार पर पड़ेगा। गांवों के छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की बिक्री घटेगी। खेतिहर मजदूरों की आजीविका प्रभावित होगी। परिवहन और कृषि प्रसंस्करण से जुड़े छोटे उद्योग बंद होने लगेंगे। परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना करेगी।

वर्ष 2026-27 की छात्रवृत्ति योजनाओं के पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर मंथन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी हापुड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनाओं के वर्ष 2026-27 के सफल, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक हापुड, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी व जनपद के राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नोडल अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक का उद्देश्य शासन द्वारा निर्धारित छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की समय-सारिणी, आवेदन प्रक्रिया, ऑनलाइन सत्यापन, आधार प्रमाणीकरण तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करना एवं सभी शिक्षण संस्थानों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर छात्रवृत्ति संबंधी कार्यवाही पूर्ण कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देना था। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बैठक में बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं की ऑनलाइन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जाएगी। पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) के छात्र-छात्राओं के लिए शासन के द्वारा विस्तृत समय सारिणी जारी कर दी गई है।

नोडल व प्रधानाचार्य का मास्टर डाटा स्कालरशिप की साइट पर जाकर 05 अगस्त 2026 तक सेव करना है व कक्षा 10 एवं 12 के छात्र-छात्राओं के लिए नवीनीकरण (Renewal) की अंतिम तिथि 25 अगस्त, 2026 निर्धारित की गई है, जबकि नवीन (Fresh) आवेदन 21 सितंबर, 2026 तक किए जा सकेंगे। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थाओं को निर्देशित किया कि किसी भी छात्र का आवेदन निर्धारित समय के बाद लंबित न रहे। बैठक में छात्रवृत्ति पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक छात्र-छात्रा को आवेदन करने से पूर्व OTR कराना आवश्यक होगा। OTR के उपरांत ही छात्र छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे अपने विद्यालयों के विद्यार्थियों को OTR प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराएं तथा आवश्यकता पडने पर विद्यालय स्तर पर सहयोग भी प्रदान करें। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण (e-KYC) को समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि जिन विद्यार्थियों का आधार प्रमाणीकरण पूर्ण नहीं होगा, उनके आवेदन में समस्या उत्पन्न हो सकती है।

इसलिए सभी छात्र-छात्राओं को अपने आधार से जुड़े मोबाइल नंबर सक्रिय रखने तथा समय रहते बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कराने के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि छात्रवृत्ति आवेदन के साथ लगाए जाने वाले आय प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, अंकतालिका, आधार कार्ड एवं बैंक खाते का विवरण पूर्णतः सही एवं अद्यतन होना चाहिए। यदि किसी छात्र का आय, जाति अथवा निवास प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं है अथवा उसकी वैधता समाप्त हो चुकी है, तो संबंधित प्रमाण-पत्र तत्काल बनवाए जाएं ताकि आवेदन निरस्त होने की स्थिति उत्पन्न न हो।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों से शासन द्वारा निर्धारित समय सारिणी का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने, छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने तथा पात्र छात्र-छात्राओं को समयबद्ध रूप से योजना का लाभ दिलाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा से जोडने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अतः सभी संबंधित विभाग एवं शिक्षण संस्थान आपसी समन्वय स्थापित करते हुए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें, जिससे जनपद हापुड में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

टेम्पो चालकों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, रोजगार बचाने की लगाई गुहार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। ग्रामीण रूटों पर संचालित टेम्पो चालकों ने अपनी आजीविका बचाने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि बस चालकों द्वारा टेम्पो स्टैंड को अवैध बताकर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे सैकड़ों परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2022 में शासन-प्रशासन द्वारा ग्रामीण रूटों के लिए कुल 10 टेम्पो एवं टैक्सी स्टैंड आवंटित किए गए थे। उसी के आधार पर टेम्पो चालक वर्षों से अपना संचालन कर रहे हैं। अब कुछ बस संचालक इन स्टैंडों को अवैध बताकर वहां से टेम्पो हटाने का दबाव बना रहे हैं, जबकि शासन के आदेशानुसार स्टैंड का विधिवत आवंटन किया गया था। टेम्पो चालकों का कहना है कि यदि उन्हें स्टैंड से हटाया गया तो लगभग 300 परिवारों की रोजी-रोटी छिन जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि बस चालकों के बजाय टेम्पो चालकों के हितों की रक्षा की जाए और उन्हें पूर्व निर्धारित स्टैंड पर संचालन की अनुमति दी जाए।

चालकों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर संबंधित व्यक्तियों की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए तथा टेम्पो स्टैंड से उन्हें न हटाया जाए, ताकि गरीब परिवारों का रोजगार सुरक्षित रह सके। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिलाधिकारी हापुड़ एवं मंडलायुक्त मेरठ को भी प्रेषित की गई है।

मिशन शक्ति के तहत जोगमाया मंदिर परिसर में चला मिशन मजनू अभियान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जोगिया/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण के तहत मंगलवार को जनपदीय एंटी रोमियो टीम ने जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र स्थित जोगमाया मंदिर परिसर एवं आसपास के स्कूल, कॉलेज, बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मिशन मजनू अभियान चलाया। प्रभारी जनपदीय एंटी रोमियो टीम उपनिरीक्षक मीरा चौहान के नेतृत्व में पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की। इस दौरान राह चल रही महिलाओं और बालिकाओं से अभद्र व्यवहार करने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई। साथ ही महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए। पुलिस टीम ने महिलाओं और छात्राओं को आपातकालीन सहायता के लिए डायल 112 और महिला हेल्पलाइन 1090 की जानकारी देते हुए किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है।

मुक्केबाजगे्शी का राज्य स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग में 2026प्रतियोगिता में चयन मेरठ मंडल बॉक्सिंग चयन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की मुक्केबाज ग्रेशी का राज्य स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता-2026 हेतु चयनमेरठ मंडल बॉक्सिंग चयन ट्रायल में जनपद हापुड़ की प्रतिभाशाली मुक्केबाज ग्रेशी (पिता - श्री कालीचरण) ने 70-75 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता-2026 के लिए मेरठ मंडल टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

चयनित खिलाड़ी ग्रेशी अब 01 अगस्त से 04 अगस्त 2026 तक वाराणसी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता-2026 में मेरठ मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगी।

प्रतियोगिता कार्यक्रम के अनुसार संबंधित भार वर्ग एवं प्रतियोगिता तिथियाँ निर्धारित हैं। इस उपलब्धि पर उप क्रीड़ा अधिकारी अरुणा, हापुड़ जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष दीपक त्यागी, महासचिव रोबिन सिंह एवं बॉक्सिंग कोच शाहरुख खान ने ग्रेशी को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद हापुड़ एवं मेरठ मंडल का नाम गौरवान्वित करेंगी।

जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण एवं गंगा समिति की संयुक्त बैठक, पर्यावरण संरक्षण व हरित अभियान की तैयारियों की समीक्षा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में जिला पर्यावरण समिति, जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला गंगा समिति की संयुक्त बैठक कलेक्ट्रेट सभागार, हापुड़ में जिलाधिकारी के निर्देशन के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की। बैठक में सुश्री श्रुति शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी; गौतम सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी; विरेन्द्र कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी; शिव बिहारी शुक्ला, जिला पंचायत राज अधिकारी; विपुल कुमार, प्रतिनिधि, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, हापुड़; पर्यावरणविद् भारत भूषण, लोक भारती; तथा जनपद के समस्त संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला वृक्षारोपण समिति

जिले हापुड़ में वृक्षारोपण वर्ष 2026-27 हेतु आवंटित लक्ष्यों 1258433 के सापेक्ष 1350947 का पौधारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा सभी विभागों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जिले में वर्तमान समय तक कुल 50% जियोटैगिंग का कार्य किया गया है। समिति अध्यक्ष द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी विभाग जियोटैगिंग का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करें।

जिला पर्यावरण समिति

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट 2026 के नए नियमों के लागू होने पर समिति अध्यक्ष द्वारा जनपद के समस्त संबंधित विभागों को टरह 2026 के क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप किया जाए। लोगों में जनजागरुकता अभियान चलाएं साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी करें।

जिला गंगा समिति

समिति अध्यक्ष द्वारा जिला पंचायती राज अधिकारी और खंड विकास अधिकारी गढ़मुक्तेश्वर को निर्देशित किया गया कि वे सावन माह में गंगा घाटों पर गंगा प्रहरियो और गंगा मित्रों की तैनाती करना सुनिश्चित करें जिससे सावन माह में घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं/कावड़ियों में गंगा नदी की स्वच्छता से संबंधित जागरूकता (निर्धारित स्थानों पर ही विसर्जन करें, घाटों पर कूड़ा और गंदगी न करें) का संदेश देते हुए गंगा घाटों की स्वच्छता व्यवस्था बनाये रखने में सहायता कर सकें।

मिशन शक्ति सम्मान समारोह में महिला सशक्तिकरण की प्रेरक हस्तियों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट सभागार में हिंदुस्तान टाइम्स के द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना ने की।

इस अवसर पर महिला सुरक्षा, जागरूकता एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, पुलिसकर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं योजना की लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी सम्मानित महिलाओं एवं कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि 'बेटियों की सुरक्षा और सम्मान हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है'। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे महिला हिंसा के विरुद्ध आवाज उठाएं और बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर दें।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। भारत रत्न, महान वैज्ञानिक, 'मिसाइल मैन' एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर नगर पालिका परिषद हापुड़ द्वारा सिकंदर गेट स्थित उनकी प्रतिमा के आसपास कराए गए भव्य सौंदर्यीकरण, स्वच्छता एवं ग्रीन बेल्ट विकास कार्य का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने डॉ. कलाम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी, उत्तर प्रदेश एससी-एसटी आयोग के सदस्य नरेंद्र खजूरी, उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज वाल्मीकि, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.एम. अकरम तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सोशल वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन मोहम्मद दानिश कुरैशी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के आयोजक एवं सोसाइटी के चेयरमैन मोहम्मद दानिश कुरैशी ने सभी अतिथियों का पटका पहनाकर, पुष्पगुच्छ एवं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। उत्तर प्रदेश एससी-एसटी आयोग के सदस्य नरेंद्र खजूरी ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जनहित के ऐसे कार्यों में वे भविष्य में भी सहयोग देते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हापुड़ के लिए गर्व की बात है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम की उत्तर प्रदेश की एकमात्र प्रतिमा सिकंदर गेट पर स्थापित है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी ने कहा कि उनके कार्यकाल में डॉ. कलाम की प्रतिमा के आसपास सौंदर्यीकरण कार्य होना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने इस पहल के लिए मोहम्मद दानिश कुरैशी की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी कार्य बताया।कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.एम. अकरम, डॉ. असलम फहीम, सैफी बबलू मंसूरी, नरेंद्र खजूरी, पुष्पा देवी, मनोज वाल्मीकि, मोहम्मद दानिश कुरैशी, रालोद जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी, हेमंत मिश्रा, सौरभ ग्यास, जिला पंचायत सदस्य दीपक मेरठ, जितेंद्र, सुमित मलिक, सतीश राठी, दीपक कुमार, अखिलेश कुमार, सागर, नितिन, सभासद रिजवान कुरैशी, अफरोज अख्तर, डॉ. मुशीर अहमद, खालिद जिलानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डाला।

भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस व एसएसबी की संयुक्त गश्त, संदिग्धों की हुई सघन जांच

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मोहाना/सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना मोहाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सीमावर्ती क्षेत्र में सघन गश्त की। थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में ककरहवा चौकी पुलिस एवं एसएसबी के जवानों ने सीमा क्षेत्र में पैदल और वाहन से संयुक्त पेट्रोलिंग की। इस दौरान सीमा से आने-जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की गई। टीम ने सीमावर्ती गांवों के लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जानकारी भी जुटाई और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस या एसएसबी को देने की अपील की। संयुक्त टीम ने कहा कि सीमा पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि तस्करी, अवैध आवागमन और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। पुलिस के अनुसार, सीमा क्षेत्र में आगे भी इसी तरह संयुक्त गश्त और सघन चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

हापुड़ में मानसून में फेफड़ों का रखें खास ध्यान, छोटी-छोटी सावधानियां रखेंगी स्वस्थ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में मानसून का मौसम गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन इस दौरान सर्दी, खांसी, बुखार और सांस से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। नमी, तापमान में बदलाव और संक्रमण फैलाने वाले वायरस इस मौसम में तेजी से सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा, सीओपीडी (COPD) या एलर्जी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत के पल्मोनोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर विभाग के डायरेक्टर डॉ. राहुल शर्मा ने बताया, 'बारिश के मौसम में होने वाली हर खांसी या जुकाम के लिए एंटीबायोटिक लेना जरूरी नहीं होता। ज्यादातर मामलों में यह वायरल संक्रमण होता है, जो आराम, पर्याप्त पानी पीने और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लेने से ठीक हो जाता है। बिना सलाह के एंटीबायोटिक लेने से नुकसान हो सकता है। 'मानसून में घरों में नमी बढ़ने से फफूंदी और फंगस पनपने लगते हैं, जो अस्थमा और एलर्जी के मरीजों की परेशानी बढ़ा सकते हैं। इसलिए घर को साफ, सूखा और हवादार रखना जरूरी है। साथ ही नियमित रूप से हाथ धोएं, लंबे समय तक बारिश में भीगने से बचें, भीगे कपड़े तुरंत बदलें और साफ पानी व ताजा भोजन का सेवन करें। डॉ. शर्मा ने आगे बताया, 'अस्थमा और सीओपीडी के मरीज अपनी दवाएं और इनहेलर नियमित रूप से लेते रहें। यदि तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द या खांसी के साथ खून आए, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

9 उ0प0 बालिका वाहिनी एनसीसी के प्रवेश हेतु एनरोलमेंट कराया गया

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। देवता महाविद्यालय मोरना में 9 उ0प0 बालिका वाहिनी एनसीसी मुरादाबाद के वर्ष 2026-27 में प्रवेश हेतु (चयन प्रक्रिया) एनरोलमेंट कराया गया। जिसमें लगभग 28 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें से इस वर्ष 14 कैडेट्स का ही चयन किया जाएगा। 9 यू पी गर्ल्स बटालियन मुरादाबाद से आए हुए हवलदार मेघराज सिंह और चिकित्सा सहायक हवलदार चौधरी सागर के द्वारा एनरोलमेंट कराया गया। एनरोलमेंट सुबह 11:00 बजे से शुरू हुआ, जिसमें सबसे पहले छात्राओं की लंबाई नापी गई और वजन कराया गया, उसके बाद उनसे फिजिकल एक्टिविटीज और दौड़ कराई गई और उसके बाद उनकी लिखित परीक्षा कराई गई। महाविद्यालय की सहायक एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. सुनीता देवी और डॉ. सुमित्रा देवी द्वारा यह कार्य संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कैडेट मेघा यादव, प्रयानसी शर्मा और महाविद्यालय के सचिव वीरेंद्र कुमार सिंह एवं प्राचार्य डॉ. लोकवीर सिंह का सहयोग रहा।

चिल्हिया साइबर सेल ने ठगी के 3,500 पीड़िता के खाते में कराए वापस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। थाना चिल्हिया साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की शिकार एक युवती के 3,500 उसके बैंक खाते में वापस कराए। धनराशि वापस मिलने पर पीड़िता ने पुलिस टीम का आभार जताया। जानकारी के अनुसार, शाहा पकड़ी निवासी लाली बरई पुत्री राहुल शर्मा ने 13 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर वित्तीय साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई थी। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में थाना चिल्हिया साइबर सेल ने शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित किया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद ठगी गई 3,500 की धनराशि पीड़िता के खाते में वापस करा दी गई। इस सराहनीय कार्य में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता, उपनिरीक्षक शारदा प्रसाद, कांस्टेबल राम पाल तथा आरक्षी बृजेश कुमार और चन्द्रजीत यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर तुरंत एनसीआरपी पोर्टल या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छ ईंधन आधारित 11 वाहनों का फ्लैग ऑफ किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड स्वच्छ गतिशीलता परिवर्तन नीति-2024 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में 06 प्राथमिक लाभार्थी वाहन स्वामियों को पूंजीगत अनुदान एवं प्रोत्साहन राशि के सब्सिडी चेक मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदान किए। 05 अन्य लाभार्थियों की सब्सिडी एवं स्वीकृति प्रक्रिया भी परिवहन विभाग द्वारा पूर्ण की जा चुकी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वच्छ ईंधन आधारित 11 वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सहायता केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड को स्वच्छ, आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था की ओर ले जाने के राज्य सरकार के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन आधारित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, डीजल चालित वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी तथा पर्यावरण संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र भूमि के पर्यावरण एवं प्राकृतिक संतुलन की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राज्य सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास को गति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी सोच के अनुरूप राज्य सरकार ने उत्तराखण्ड स्वच्छ गतिशीलता परिवर्तन नीति-2024 लागू की है। इस नीति का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाना, पुराने डीजल चालित वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना तथा सीएनजी एवं अन्य स्वच्छ ईंधन आधारित परिवहन व्यवस्था को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नीति प्रदेश में स्वच्छ, सुरक्षित एवं टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देहरादून, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का लगातार विस्तार कर रही है। साथ ही प्रदेशभर में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि स्वच्छ ईंधन आधारित वाहनों के उपयोग के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में रोप-वे एवं आधुनिक अर्बन ट्रांसपोर्ट सिस्टम के विकास पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है, जिससे यातायात व्यवस्था अधिक सुगम, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनेगी तथा पर्वतीय क्षेत्रों में वाहनों का दबाव और प्रदूषण कम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केवल परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तराखण्ड को हरित विकास के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत प्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य ने 40 हजार रूफटॉप सोलर संयंत्रों का प्रारंभिक लक्ष्य निर्धारित समय से पूर्व प्राप्त कर लिया है तथा निर्धारित कुल लक्ष्य का लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखण्ड को स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन एवं सतत विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन वाहन स्वामियों को सब्सिडी चेक प्रदान किए गए हैं, वे केवल इस योजना के लाभार्थी नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड में हरित परिवहन क्रांति के अग्रदूत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके इस प्रयास से अन्य वाहन संचालक भी स्वच्छ ईंधन आधारित वाहनों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभागीदारी के बिना कोई भी परिवर्तन स्थायी नहीं हो सकता, इसलिए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ परिवहन के इस अभियान में सहभागी बनना होगा।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री श्री प्रदीप बत्रा, कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, विधायक श्रीमती सविता कपूर, मेयर देहरादून श्री सौरभ थपलियाल, सचिव परिवहन श्री रविनाथ रमन, परिवहन विभाग के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

गंगोला-कोटली (अल्मोड़ा) में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। प्राथमिक विद्यालय, गंगोला-कोटली (अल्मोड़ा) में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने प्रतिभाग कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों को कॉपियों एवं ट्रैकसूट का वितरण भी किया। बच्चों के उत्साह और मुस्कान ने इस कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादायी बना दिया। डॉ. रावत ने कहा कि हमारा संकल्प है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर शैक्षिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें। साथ ही, अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुड़िया पूर्णिमा मेला: डीएम व विधायक ने परिक्रमा मार्ग का पैदल निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

मुड़िया पूर्णिमा मेला के अवसर पर बड़ी परिक्रमा प्रारंभ स्थल पर मौजूद डीएम, विधायक व अन्य आला अधिकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला पर हर रोज लाखों श्रद्धालु गिर्राज नगरी पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। मंगलवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं गोवर्धन विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने परिक्रमा मार्ग का पैदल भ्रमण कर मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, भंडारों और पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परिक्रमा मार्ग पर तैनात कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ प्रबंधन, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं को लगातार सक्रिय रखने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करते रहें, ताकि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। वहीं विधायक मेघश्याम सिंह ने भी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए आवश्यक सुधारों के निर्देश दिए। वहीं परिक्रमा मार्ग में ही सजाए गए मंच से अधिकारियों एवं विधायक ने स्वयं श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की।

निरीक्षण के दौरान एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक वेद प्रिय आर्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ, उपजिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

श्री हित आरोग्य शिविर में 120 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। श्री हित सुकृत लाल गोस्वामी जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में श्री हित राधावल्लभ सेवा ट्रस्ट द्वारा ग्राम नगला जटवारी में रविवार को 'श्री हित आरोग्य शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के करीब 120 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. सूर्य अग्रवाल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल गोयल तथा फिजिशियन एवं डायबेटोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार राउल ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार संबंधी सलाह दी। वहीं डॉ. पदम अग्रवाल के नेतृत्व में ब्लड टेस्ट टीम ने मरीजों की आवश्यक रक्त जांच भी की। शिविर में दिव्यांग संस्थान की टीम ने जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ एवं पैर उपलब्ध कराने की सेवा दी। इस कार्य में आयुष कुलश्रेष्ठ, सोनू पाण्डेय, पवन कहार (इंडियाज फास्टेस्ट ब्लेड रनर) सहित अन्य सेवाभावी सदस्यों ने सहयोग किया। कार्यक्रम में श्री गौरव शास्त्री की उपस्थिति भी रही। ट्रस्ट की ओर से बंटी शर्मा, अभिषेक गोस्वामी, दिव्या शर्मा, साक्षी वत्स, संजिल शुक्ला, चिराग ठाकुर, जय चौधरी, मुकेश जादौन, शेखर सिंह सहित सभी सहयोगियों एवं सेवाभावियों का आभार व्यक्त किया गया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी ब्रज क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में ऐसे सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जनता के बीच पहुंचे धनपति वर्मा, बोले-झूठे दावों से नहीं बदलती गांवों की तस्वीर

बोले-जनहित के मुद्दों पर समाजवादी पार्टी पीछे नहीं हटेगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा के 128 विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सपा नेता धनपति वर्मा एडवोकेट ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का व्यापक भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम लौकहा, कल्लिया, मांगतपुर, पुरवा, जार, केशौपुर, खजुरिया, पचपेड़ा, रमपुरा, दौलापुर एवं करोड़ में जनसंपर्क कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया। जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा एडवोकेट ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज आम जनता महंगाई की मार से कराह रही है, युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं और किसान अपनी फसलों की उचित कीमत तथा मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति भी लगातार चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को जनता की वास्तविक समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। सरकार केवल दावों और प्रचार के सहारे विकास की तस्वीर पेश कर रही है, जबकि गांवों में पहुंचने पर जमीनी हकीकत कुछ और ही दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता की आवाज को दबने नहीं देगी और किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं तथा गरीबों के अधिकारों के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

धनपति वर्मा ने कार्यकताओं से कहा कि आगामी समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनता से संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने उनका स्वागत करते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान विकास कार्यों, जनहित के मुद्दों और स्थानीय समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। धनपति वर्मा ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाना ही समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता है और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा।

डॉक्टर ऋषि पाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार, आदि रहे।

जनता के बीच पहुंचे धनपति वर्मा, बोले-झूठे दावों से नहीं बदलती गांवों की तस्वीर

बोले-जनहित के मुद्दों पर समाजवादी पार्टी पीछे नहीं हटेगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा के 128 विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सपा नेता धनपति वर्मा एडवोकेट ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का व्यापक भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम लौकहा, कल्लिया, मांगतपुर, पुरवा, जार, केशौपुर, खजुरिया, पचपेड़ा, रमपुरा, दौलापुर एवं करोड़ में जनसंपर्क कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया। जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा एडवोकेट ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज आम जनता महंगाई की मार से कराह रही है, युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं और किसान अपनी फसलों की उचित कीमत तथा मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति भी लगातार चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को जनता की वास्तविक समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। सरकार केवल दावों और प्रचार के सहारे विकास की तस्वीर पेश कर रही है, जबकि गांवों में पहुंचने पर जमीनी हकीकत कुछ और ही दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता की आवाज को दबने नहीं देगी और किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं तथा गरीबों के अधिकारों के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

धनपति वर्मा ने कार्यकताओं से कहा कि आगामी समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनता से संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने उनका स्वागत करते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान विकास कार्यों, जनहित के मुद्दों और स्थानीय समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। धनपति वर्मा ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाना ही समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता है और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा।

डॉक्टर ऋषि पाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार, आदि रहे।

भारत विकास परिषद के कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पीलीभीत में मंगलवार को शिक्षाविद स्वर्गीय राजेन्द्र पाल जगोता की स्मृति में भारत विकास परिषद शाखा टाइगर, रुहेलखंड प्रांत पूर्वी एनसीआर-1 की ओर से गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके बाद अतिथियों का पटका पहनाकर एवं कार्ड भेंट कर स्वागत किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. इल्यास अहमद ने स्वर्गीय राजेन्द्र पाल जगोता के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय जगोता के प्रयासों से ही स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की स्थापना संभव हो सकी। भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव डॉ. अनिल कुमार सक्सेना ने परिषद के उद्देश्यों और सामाजिक सरोकारों की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्वर्गीय राजेन्द्र पाल जगोता की स्मृति में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्र- छात्राओं और शिक्षकों को शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इनमें स्प्रिंगडेल कॉलेज की छात्रा रिद्धि प्रजापति एवं प्रधानाचार्या प्रिया आनंद, जहानाबाद इंटर कॉलेज की छात्रा अनन्या गंगवार एवं प्रधानाचार्य श्री सतीश चंद्र गंगवार, वीरांगना अवंतीबाई इंटर कॉलेज की छात्रा आकांक्षा मौर्य एवं प्रधानाचार्या श्रीमती अजय चौहान, अंगूरी देवी इंटर कॉलेज की छात्रा संजना सोलंकी, मॉम्स प्राइड इंटर कॉलेज की छात्रा रिद्विमा अग्रवाल एवं प्रधानाचार्य भावेश पांडे, आर्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्रा हूर फातिमा एवं प्रधानाचार्या सुमन देवी तथा इकरा पब्लिक स्कूल की छात्रा अलीना बी एवं शिक्षक नाजिर हुसैन शामिल रहे।

भारत विकास परिषद के शाखा सचिव मनोज मित्तल ने उपस्थित लोगों को माता- पिता, गुरुजनों एवं वरिष्ठों का सम्मान करने तथा देश के प्रति निष्ठावान रहने की शपथ दिलाई। प्रांतीय संयोजक संपर्क डॉ. विनय गुप्ता और जिला प्रभारी डॉ. एसपीएस संधू ने कहा कि भारत विकास परिषद का मुख्य लक्ष्य राष्ट्रवाद है और परिषद के सभी कार्य राष्ट्रहित के लिए समर्पित हैं। महाविद्यालय के कार्यकारी निदेशक डॉ. हेमंत जगोता ने सभी पदाधिकारियों का आभार जताया। शाखा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने आगंतुकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों, महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गुरू कृपा के बिना ज्ञान और ईश्वर की प्राप्ति असंभव- रेखा कृष्ण मेहता

गुरु ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान हैं

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। आज पूरे देश में गुरू पूर्णिमा उत्सव मनाया जा रहा है। ब्रज में गुरू पूजा की महिमा अपरंपार है। यहां गुरू पूर्णिमा को मुड़िया पूनौ के नाम से भी जाना जाता है। अनादिकाल से गुरू भाव का अलग ही महत्व है। ज्योतिषाचार्य रेखा कृष्ण मेहता ने बताया कि जिस फल का अंत न हो, ऐसा फल होता है, गुरू के दर्शन।

गुरू पूनम के दिन शिष्य परंपरा में गुरू के पास आते हैं तो वर्ष में जितनी प्रगति हुई है, उसमें फिर पुनः गुरू के सत्संग से कुछ न कुछ नई दृष्टि, नई युक्ति और आगे बढ़ने का पाठ मिल जाता है। गुरू कृपा से साधक हर साल एक कदम ऊपर बढ़ते हैं, इसलिए गुरू के चरणों में जाना जरूरी है। क्योंकि गुरु की कृपा के बिना ज्ञान और ईश्वर की प्राप्ति असंभव है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। एक सच्चे और पूर्ण गुरु के चार मुख्य लक्षण ये हैं, वेदों-शास्त्रों का पूर्ण ज्ञान, मन-कर्म-वचन से हरि भक्ति, सभी को समान दृष्टि से देखना, और शास्त्रों के अनुकूल आचरण व साधना करवाना है। गुरू पूर्णिमा का अर्थ सबके अंदर बैठे गुरुतत्व को प्रणाम के समान है। गुरु महिमा अनंत है। गुरु सत्ता हमको हमसे ही जोड़ती है, जन्म के बाद जो इस नश्वर संसार से मिला उसको भूलकर परमात्मा अंश जो अंदर बैठा है उससे वह जोड़ती है। दुःख का कारण ही संसार का मोह बंधन है उस बंधन से गुरु हमे मुक्त करने का बोध देते है। गुरु धड़कते हुए ज्योतिर्मय रूप से हमारा योग कराते है। गुरु के बिना ज्ञान एक तरह से असंभव माना जाता है। गुरु अपने शिष्यों को शास्त्रीय और अनुभवजन्य दोनों ही प्रकार के ज्ञान प्रदान करता है।

गुरु की महिमा को स्वीकार करने वाले मनुष्यों के लिए गुरु के शब्द तो महत्वपूर्ण होते ही हैं इसके साथ ही साथ उनके भाव की प्रधानता अधिक होती है। शास्त्रों में गु का अर्थ अंधकार या मूल अज्ञान से और रु का का अर्थ उसको निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है।

रेखा कृष्ण मेहता, ज्योतिषाचार्य, गोवर्धन

घर की सफाई के दौरान सांप के डसने से महिला की मौत, मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव पुन्नापुर टांडा में मंगलवार शाम जहरीले सर्प के काटने से एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और परिजनों में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार, पुन्नापुर टांडा निवासी नाथू देवी (पत्नी श्रीकृष्णा) मंगलवार करीब चार बजे अपने घर की साफ-सफाई कर रही थीं।

इसी दौरान घर में मौजूद एक जहरीले सर्प ने उन्हें डस लिया। सर्पदंश की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पूरनपुर ले गए। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल पीलीभीत रेफर कर दिया।

वहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पत्रकार स्थायी समिति की बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में पत्रकार स्थायी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सत्य प्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, सूचना अधिकारी सहित पत्रकार स्थायी समिति के सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी पत्रकार बन्धुओं का स्वागत करते हुए कहा कि जनपद स्तर पर पत्रकार एवं प्रशासन के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने एवं प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रखने के उद्देश्य से पत्रकार स्थायी समिति की बैठक निर्धारित समय अंतराल पर आयोजित की जाती रहें।

वरिष्ठ पत्रकार पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा जनपद में सूचना संकुल/प्रेस क्लब भवन निर्माण से संबंधित सुझाव एवं सूचना संकुल भवन निर्माण की दिशा में की जा रही कार्यवाही में प्रगति लाने के बिंदु पर सूचना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि सूचना संकुल भवन के निर्माण के संबंध में जिलाधिकारी के माध्यम से भी शासन/मुख्यालय को अनुस्मारक पत्र प्रेषित कर दिया गया है, इस संबंध में मुख्यालय स्तर से जानकारी करने पर ज्ञात हुआ है कि प्रदेश के कई जनपदों में सूचना संकुल/प्रेस क्लब भवन के निर्माण की

कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, जल्द ही इस दिशा में संबंधित जनपदों को दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे जिसमें जनपद संत कबीर नगर का भी नाम सम्मिलित है, इस पर जिलाधिकारी ने सूचना अधिकारी को उनकी तरफ से शासन/मुख्यालय को पुनः एक अनुस्मारक पत्र भेजने हेतु निर्देशित किया, जिससे जनपद में सूचना संकुल/प्रेस क्लब भवन निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू कराया जा सके।

बैठक में पत्रकार सौरभ त्रिपाठी द्वारा धनघटा तहसील में पत्रकारों की सुविधा के दृष्टिगत जन सहयोग से भवन निर्माण करने हेतु सूचना विभाग, संत कबीर नगर के नाम से जमीन उपलब्ध कराने के बिंदु पर जिलाधिकारी ने कहा कि इस संदर्भ में पत्रकार हित में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में पत्रकार पवन कुमार श्रीवास्तव, जितेंद्र पाठक, रमेश शर्मा व अन्य पत्रकारों द्वारा जनपद के जिला चिकित्सालय सहित अन्य चिकित्सालयों में ऑनलाइन पंजीकरण/पर्ची कटवाने से लेकर संबंधित चिकित्सक से परामर्श एवं इलाज की प्रक्रिया को सरल, सुविधाजनक एवं वरीयता देने से संबंधित उठाए गए बिंदु पर जिलाधिकारी ने कहा की इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया जाएगा कि पत्रकारों अथवा उनके परिवारों के इलाज/चिकित्सकीय परामर्श को सुगम एवं सुविधाजनक बनाया जाए।

बैठक में पत्रकार बंधुओं द्वारा मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत समाचार संस्थानों से जुड़े पत्रकारों के बच्चों को शिक्षा का अधिकार (फ्छए) योजना के अंतर्गत सरकारी एवं पात्र निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने, मान्यता प्राप्त पत्रकारों के साथ-साथ पंजीकृत समाचार संस्थानों से जुड़े अन्य पत्रकारों को भी आयुष्मान भारत योजना अथवा अन्य सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रदान करने तथा किसी भी पत्रकार के विरुद्ध पुलिस में प्राप्त शिकायत या प्रार्थना पत्र पर बिना सक्षम अधिकारी द्वारा निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच किए कोई मुकदमा पंजीकृत न किए जाने आदि से संबंधित बिंदुओं पर जिलाधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि प्रशासन पूरी तरह से पत्रकारों की सुरक्षा एवं हित को वरीयता देता है। उन्होंने कहा कि जनपद में प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बन्धुओं के साथ किसी भी स्तर पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यदि किसी तरह का उत्पीड़न/व्यवधान संज्ञान में आता है तो उस पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी।

बैठक में सम्मानित पत्रकारों द्वारा प्रशासन एवं पत्रकार के बीच आपसी ताल-मेल एवं सौहार्द को बेहतर बनाये रखने से सम्बन्धित सुझावों की सराहना करते हुए जिलाधिकारी ने पत्रकार हित में उठाई गई मांगों पर नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु आश्वस्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पवन कुमार श्रीवास्तव, राजेश पांडेय, रमेश शर्मा, जितेंद्र पाठक, सौरभ त्रिपाठी एवं सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज उपस्थित रहे।

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तरयासुजान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार 28 जुलाई 2026 को थाना तरयासुजान पुलिस टीम ने थाना पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 212/2026, धारा 65(1)/137(2) बीएनएस एवं 5/6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त ओमजी कुमार पुत्र संतोष प्रसाद, निवासी जगदीशपुर, थाना सेवरही, जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया।

इसी क्रम में मुकदमा संख्या 173/2026, धारा 137(2)/87/64(1) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त शैलेस यादव पुत्र गोरख यादव, निवासी घघवा जगदीश, थाना तरयासुजान, जनपद कुशीनगर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि दोनों अभियुक्त संबंधित मामलों में वांछित थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत करने सहित आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मामले की विवेचना प्रचलित है और आगे की कार्रवाई कानून के अनुसार की जाएगी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अतुल कुमार बिंद, शुभम भार्गव, मुकेश कुमार तथा मुख्य आरक्षी दिवाकर मिश्रा शामिल रहे।

बिजली उपकेंद्र में बवाल: एसएसओ से मारपीट और अभद्रता का आरोप, सरकारी रजिस्टर फाड़ने की शिकायत

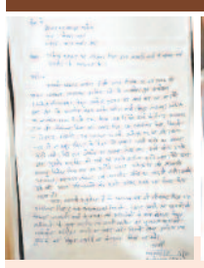

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बेलहरकला थाना क्षेत्र के कुसहरा विद्युत उपकेंद्र पर रविवार को हंगामे का मामला सामने आया है। उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ (उपकेंद्र परिचालक) ने एक युवक पर ड्यूटी के दौरान अभद्रता, मारपीट करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया है। साथ ही शटडाउन रजिस्टर, लॉगशीट और अन्य सरकारी दस्तावेज फाड़ने की शिकायत भी पुलिस से की गई है। तहरीर के अनुसार, रविवार सुबह करीब 10:30 बजे एक युवक उपकेंद्र पहुंचा और बंद पड़े रमवापुर फीडर के 11 केवी पैनल को जबरन चालू करने लगा। एसएसओ द्वारा रोकने पर युवक कथित रूप से गाली-गलौज करने लगा और विरोध करने पर मारपीट कर दी। पीड़ित एसएसओ ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उपकेंद्र में रखे शटडाउन रजिस्टर, लॉगशीट और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेख भी फाड़ दिए। घटना के बाद उपकेंद्र कर्मियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले में बेलहरकला थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है और तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित कटरूआ की खरीद-फरोख्त पर वन विभाग सख्त, चार पर कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। वन एवं वन्यजीव प्रभाग की पीलीभीत रेंज टीम ने मंगलवार को प्रतिबंधित वन उपज कटरूआ की अवैध खरीद-फरोख्त के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन चौराहे के पास छापा मारा। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में टीम ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से करीब आठ किलोग्राम प्रतिबंधित कटरूआ और आठ तराजू-बाट बरामद किए गए हैं। वन विभाग की कार्रवाई से अवैध वन उपज की खरीद-बिक्री करने वालों में खलबली मच गई।बताया गया कि क्षेत्रीय वन अधिकारी के निर्देशन में वन विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि रेलवे स्टेशन चौराहे के आसपास प्रतिबंधित कटरूआ की अवैध रूप से बिक्री की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बताए गए स्थान पर छापा मारा।

अचानक हुई कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। टीम ने मौके से चार लोगों को पकड़ लिया और उनके पास मौजूद कटरूआ को कब्जे में ले लिया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आदित्य सक्सेना, बब्लू मौर्या, जितेंद्र और सतीश कुमार के रूप में हुई है। वन विभाग के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से लगभग आठ किलोग्राम प्रतिबंधित कटरूआ बरामद हुआ। इसके अलावा बिक्री के लिए इस्तेमाल किए जा रहे आठ तराजू-बाट भी टीम ने जब्त किए हैं। बरामद सामग्री को वन विभाग ने अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।चारों आरोपियों के खिलाफ पीलीभीत रेंज में वन कानूनों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधित वन उपज की अवैध खरीद-फरोख्त वन संपदा और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे मामलों में विभाग की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है। प्रभागीय निदेशक वन एवं वन्यजीव प्रभाग भरत कुमार डी.के. ने बताया कि प्रतिबंधित वन उपज की अवैध खरीद-बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बेलहर ब्लाक अध्यक्ष खालिद कमाल के निधन पर शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ब्लाक कांग्रेस कमेटी बेलहर कला के अध्यक्ष खालिद कमाल की लम्बी बीमारी के बाद बीती रात निधन हो गया। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय, जिला उपाध्यक्ष मो. नजीर, सुनील कुमार पांडेय, अरुण पांडेय, शांति देवी, दयाशंकर चौधरी, अजय सिंह, फैजान खान, चंद्रमणि त्रिपाठी, अंबिका पांडेय, अतीक सिद्दीकी, रियाज अहमद, परवेज अख्तर, मोईन अंसारी, अशोक आर्य, जय प्रकाश पांडेय, रमेश चौधरी, निसार अहमद, अयाजुल हक, अखिलेश शर्मा, जमशेद, सतीश साहनी, सोहन निषाद, महेश कुमार, मो. अकरम, पन्ने लाल यादव, देवेंद्र कुमार, रमेश चौधरी, सुग्रीव पासवान, पिंटू सिंह, दुर्गेश पाठक, गुड्डू उपाध्याय, जय प्रकाश आचार्य, महेश कुमार, अबरार अहमद, रवि राय, रामाश्रय यादव, संतोष पांडेय, रामबृक्ष, आनंद कुमार आचार्य, सत्या त्रिपाठी, मो. रशीद आदि ने दुख व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किये हैं।

धरना स्थल पर पहुंचे राजकुमार 'राजू', छात्रों से की शांतिपूर्ण आंदोलन की अपील दिया समर्थन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर के वरिष्ठ समाजवादी नेता राजकुमार 'राजू' रामपुर में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के समर्थन में चल रहे छात्र आंदोलन में शामिल हुए। धरना स्थल पर पहुंचकर उन्होंने आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों को अपना समर्थन देते हुए छात्रों का उत्साह बढ़ाया। उनके पहुंचने पर छात्र समर्थकों ने उनका स्वागत किया और अपनी समस्याओं से अवगत कराया।बताया गया कि रामपुर जिलाधिकारी की ओर से जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को अवैध बताते हुए उन्हें ध्वस्त करने के आदेश के बाद छात्रों में रोष है। आदेश के विरोध में छात्र धरना-प्रदर्शन कर

रहे हैं। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय से जुड़े मामले का समाधान बातचीत और संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। आंदोलन को समाजवादी पार्टी से जुड़े कई नेताओं और कार्यकर्ताओं का भी समर्थन मिल रहा है। धरना स्थल पर छात्रों को संबोधित करते हुए राजकुमार 'राजू' ने कहा कि शिक्षा संस्थानों से जुड़े किसी भी विवाद का समाधान संवाद, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और कानून के दायरे में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी पक्षों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने की अपील की। राजकुमार 'राजू' ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा शिक्षा, युवाओं और छात्रों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनके अधिकारों और शिक्षा के मुद्दों को लेकर समाजवादी कार्यकर्ता उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र का भविष्य प्रभावित न हो, इसके लिए जिम्मेदार लोगों को संवेदनशीलता के साथ मामले को देखना चाहिए इस दौरान धरना स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र और समर्थक मौजूद रहे। छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने का संकल्प जताया। राजकुमार 'राजू' के समर्थन से आंदोलनरत छात्रों में उत्साह देखने को मिला।

थाना दुधारा पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। थाना दुधारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित अभियुक्त को मेहंदावल बाईपास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

थाना दुधारा उ0नि0 नन्दा प्रसाद, का0 राजा सिंह, का0 सुमित राय, म0का0 श्रुति निषाद ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को थाना दुधारा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 266/2026 धारा 87/137 (2)/64(2)(एम) बीएनएस व 6/5L/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अभिषेक शाह पुत्र प्रयाग शाह निवासी विशुनपुर थाना परसा जनपद छपरा बिहार को मेहंदावल बाईपास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

विदित हो कि वादिनी द्वारा दिनाँक 21.06.2026 को थाना दुधारा पर उक्त अभियुक्त के विरुद्ध वादिनी की नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने मामले में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

प्रेम, विश्वास और संवाद ही समाज की वास्तविक शक्ति : डॉ. शंभु पंवार

प्रणेता साहित्य न्यास के वार्षिकोत्सव में 'प्रेम के रंग हजार' का लोकार्पण, साहित्य साधकों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। प्रणेता साहित्य न्यास के अष्टम वार्षिकोत्सव, 'श्रीमती एवं श्री खुशहाल सिंह पयाल स्मृति सम्मान समारोह' तथा साझा काव्य संकलन 'प्रेम के रंग हजार' के लोकार्पण का भव्य आयोजन गुरुग्राम स्थित प्रतिष्ठित द एस्टर्स विद्यालय में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। साहित्य, सम्मान और सृजन के इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकारों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

प्रणेता साहित्य न्यास के संस्थापक अध्यक्ष एस. जी. एस. सिसोदिया के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन न्यास की महासचिव शकुंतला मित्तल का रहा। लोकार्पण के उपरांत विश्व रिकॉर्डधारी, प्रख्यात पत्रकार एवं साहित्यकार डॉ. शंभु पंवार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि साझा काव्य संग्रह 'प्रेम के रंग हजार' का शीर्षक ही मानवता का सबसे बड़ा संदेश देता है। प्रेम वह शक्ति है जो बिखरते परिवारों को जोड़ने और समाज को सशक्त बनाने का सामर्थ्य

रखती है। उन्होंने कहा कि आज संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की कमी दिखाई देती है। रिश्ते रक्त से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान, संवाद और समर्पण से जीवंत रहते हैं। यदि परिवारों में संवाद और संस्कार जीवित रहें तो समाज स्वतः ही सशक्त, समृद्ध और संस्कारित बन जाएगा। उन्होंने सभी से प्रेम, विश्वास और संवेदनशीलता की इस अमूल्य विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि के रूप में सी.सी.ए. स्कूल की निदेशक एवं प्राचार्या श्रीमती निर्मल यादव, विशिष्ट अतिथियों में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा, डॉ. सैयद अली अख्तर नकवी, डॉ. वनिता शर्मा तथा पुष्पा शर्मा 'कुसुम' ने भी समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं प्रणेता साहित्य न्यास के कोषाध्यक्ष अशोक पाहुजा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। अपने स्वागत उद्बोधन में एस. जी. एस. सिसोदिया ने प्रणेता साहित्य न्यास की साहित्यिक यात्रा, उपलब्धियों तथा समाज में साहित्य की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर देशभर के 52 रचनाकारों की रचनाओं से सुसज्जित साझा काव्य संकलन 'प्रेम के रंग हजार' का मंचासीन अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया। संकलन की संपादक शकुंतला मित्तल ने संपादकीय वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए साहित्य को सामाजिक संवेदनाओं का सशक्त माध्यम बताया। काव्य कुमुद प्रकाशन के प्रकाशक राजीव त्रिपाठी ने उन्हें 'साहित्य विभूषण सम्मान' से सम्मानित किया। वहीं प्रणेता साहित्य न्यास का सर्वोच्च 'काव्य रत्न सम्मान' भी साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें प्रदान किया गया। समारोह में प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले 'श्रीमती एवं श्री खुशहाल सिंह पयाल स्मृति सम्मान' के अंतर्गत शकुंतला मित्तल को 'कमल कुंज के मधुकर', डॉ. नीना छिब्बर को 'खामोश आवाजें', उमंग सरीन को 'मनरंगी माहिए' तथा तरुणा पुंडीर 'तरुनिल' को 'संग तुम्हारे' कृति के लिए सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित साहित्यकारों को स्मृति-चिह्न, अंगवस्त्र एवं सम्मान राशि भेंट की गई। इसके अतिरिक्त साझा संकलन 'प्रेम के रंग हजार' में शामिल रचनाकारों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में वीणा अग्रवाल, गीता रस्तोगी 'गीतांजलि', दीपशिखा श्रीवास्तव 'दीप', रेणु रतन मिश्रा, लोकेश चौधरी 'क्रांति', डॉ. वनिता शर्मा, अशोक पाहुजा, रश्मि ममगाईं, परिणीता सिन्हा 'स्वयंसिद्धा', डॉ. पवन कुमार, सुमन पुष्करणा, प्रकाश कंवर, डॉ. कल्पना पाण्डेय 'नवग्रह', प्रेमलता कोहली, राधा गोयल, शारदा मित्तल, प्रीति मिश्रा, सुभाष अरोड़ा, पद्मा कंसल, रजनी पोद्दार, संजय शाफी, अंजू क्वात्रा, डॉ. कविता सिंह प्रभा, प्रेमलता चौधरी, लाडो कटारिया, डॉ. पूजा गुप्ता, आकांक्षा अग्रवाल, अभिलाषा अग्रवाल, काजल गुप्ता, प्रिवंशी चारण, सरोजिनी चौधरी, कर्मेश सिन्हा, अनीता तिवारी, सीमा पुरबा 'सिम्मी', मोहिनी पांडेय, मीना चौधरी, विनय कुमार सहित अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. भावना शुक्ल एवं सरिता गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। अंत में महासचिव शकुंतला मित्तल ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों, रचनाकारों एवं श्रोताओं का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

बारिश का रहा जनसुनवाई पर असर

चार समस्याओं में से एक का कराया तत्काल समाधान

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। आज जनसुनवाई पर बारिश का प्रभाव रहा। बारिश के चलते आज सिर्फ चार समस्याएं ही जनसुनवाई में पहुंची, जिनमें से एक समस्या का अपर नगरायुक्त ने तत्काल समाधान करा दिया। वार्ड 07 रांघड़ों का पुल निवासी अहमद खां ने रांघड़ों के पुल पर साफ सफाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया, जिस पर अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई मित्र को भेजकर सफाई कराते हुए समस्या का समाधान करा दिया। वार्ड 07 के ही सलीम अहमद ने गुरु नानकदेव मार्किट अंबाला रोड पर ट्रक व कारों के टायर रखकर किये गए अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त वार्ड 66 नदीम कॉलोनी के आसिफ ने कॉलोनी की एलईडी लाइटें ठीक कराने तथा वार्ड 32 खान आलमपुरा निवासी दानिश ने अब्दुल वाली गली में पानी की पाइप लाइन ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर अपर नगरायुक्त ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस की कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ प्राचीन माँ शीतला मंदिर का मेला

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़(बुलंदशहर)। थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के गांव सेदगढ़ी स्थित प्राचीन माँ शीतला मंदिर पर आयोजित पारंपरिक मेला इस वर्ष भी पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी में शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हो गया। आषाढ़ माह के प्रत्येक मंगलवार को लगने वाले इस ऐतिहासिक मेले में क्षेत्र सहित आसपास के जनपदों से हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माँ शीतला के दर्शन-पूजन किए और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना अहमदगढ़ पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। मंदिर परिसर और मेले के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे पूरे आयोजन के दौरान कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई।

मेले में जलेबी, टिक्की, समोसे, चाऊमीन, बच्चों के खिलौने तथा महिलाओं के श्रृंगार की दुकानों पर दिनभर भारी भीड़ रही। बच्चों ने झूलों का भरपूर आनंद लिया, जबकि महिलाओं ने घरेलू उपयोग एवं श्रृंगार की वस्तुओं की खरीदारी की। पूरे मेले में श्रद्धा, उल्लास और उत्सव का माहौल देखने को मिला। वर्तमान ग्राम प्रधान के पति बिट्टू कुमार ने बताया कि गांव सेदगढ़ी स्थित प्राचीन माँ शीतला मंदिर पर प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह के सभी मंगलवार को भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी आषाढ़ माह के पांचों मंगलवार को परंपरागत रूप से मेले का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। धार्मिक मान्यता के अनुसार कई श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया।

थाना प्रभारी निरीक्षक विसंबर दयाल गंगवार ने बताया कि मेले को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल पूरे समय सतर्क रहा, जिसके चलते मेला बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हुआ। उन्होंने मंदिर समिति, ग्रामवासियों, श्रद्धालुओं तथा व्यवस्था में सहयोग करने वाले सभी पुलिस कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग की सराहना की।

आयुक्त व डीआईजी ने अनूपशहर गंगा घाट पर कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। श्रावण कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आयुक्त मेरठ मंडल भानु चन्द्र गोस्वामी एवं डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी ने जिलाधिकारी कुमार हर्ष तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के साथ अनूपशहर स्थित मस्तराम गंगा घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ियों द्वारा गंगाजल भरने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें।

1.2 किलो अवैध गांजे के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार, कई संगीन मामलों का आरोपी निकला

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद बुलंदशहर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गुलावठी पुलिस ने एक आरोपी को 1 किलो 200 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित पुत्र बोदल सिंह, निवासी ग्राम पितोबास, थाना गुलावठी के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 1.2 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट, लूट और अन्य मामलों सहित कई आपराधिक मुकदमों में नामजद रह चुका है। उसके खिलाफ बुलंदशहर के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक धर्मवीर सिंह, उपनिरीक्षक रघुवीर सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार तथा कांस्टेबल धर्मवीर सिंह शामिल रहे।

घबराईए नही ये ग्रामसभा पूरे बीरबल जाने का मुख्यमार्ग है, सासद या विधायक कौन करेगा उद्घघाटन

=वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। 'सचमुच तस्वीरे कभी झूठ नही बोलती' कुछ ऐसा ही नजारा मुझे देखने को मिला जब पूरे घनश्याम से पूरे बीरबल गाव के मुख्य रास्ते पर जाते वक्त मेरी बाइक फिसल कर गिरी और मै पानी कीचड का दमदार स्नान कर धन्य हुआ और मेरे मन मे आया कि मै अपने कैमरे मे इन तस्वीरो को कैद कर विकास के बडे बडे दावे करनी वाली सरकार सासद विधायक को भेज आईना दिखाऊ और कीचड स्नान कराने के लिए उनका आभार व्यक्त करू। क्योंकि तस्वीर कभी झूठ नही बोलती ।

रामपुर संग्रामगढ विकास खंड के गाँव पुरे बीरबल ग्राम सभा के पूरे घनश्याम से पूरे बीरबल जाने का रास्ता सदाबहार है । इस रास्ते मे वर्ष भर गड्ढे बने रहते है । जहा जरा सी बरसात होते ही ये पानी से भर जाते है । पानी निकासी की कोई व्यवस्था आज तक कभी यहा रही ही नही और चूकि ये रास्ते कयी गावो को जोडते है । जिस पर भारी वाहन तो नही दौडते किन्तु किसानो के ट्रैक्टर को जरूर दौडना पडता है क्योंकि इन्ही रास्तो से किसान के ट्रेक्टर खेतो तक पहुच जुताई बुआई भी करते है । जिससे गड्ढे और भी गहरे और चौडे होते गये । आज आलम यह है कि इन राहो पर बाइक साइकिल तो क्या पैदल भी चल पाना लगभग असभव है ।

ऐसे मे बेहतर होता कि सरकार यदि वर्षो से इन राहो को ठीक कराने मे असहाय है तो किसानो को खेती के लिए सौप देती जिससे कम से कम खेत की मेड तो बध जाती जिससे लोग पैदल ही सही लेकिन सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुच तो जाते।

आती जाती सरकारे हो या आते जाते सासद विधायक ग्राम प्रधान सभी बडे भोंपू लगा अक्सर चिल्लाते हुए कहते है हमने विकास की गंगा बहायी है उनकी भोंपू मे सेखी बघारते निकली जोरदार आवाज ही उनपर हसते हुए कह रही है देख लो इन तस्वीरो को,ये तस्वीरे बताने को काफी है कि तुम सब झूठे हो । जब तुमने इस गाव के रास्तो की कभी सुध न ली तो कमोबेश अन्य गावो के रास्ते भी ऐसे ही होगे।

कांवड़ यात्रा तैयारियों का कमिश्नर-डीआईजी ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। श्रावण कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को मेरठ मंडल के आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी और मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सराय पुलिस चौकी से नहर पटरी कांवड़ मार्ग होते हुए आहार स्थित अंबकेश्वर मंदिर तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक इंतजाम समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अंबकेश्वर मंदिर में जलाभिषेक की तैयारियों का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए प्रवेश और निकास मार्ग अलग-अलग बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, साफ-सफाई, स्वास्थ्य शिविर, पेयजल, मोबाइल शौचालय तथा वाहन पार्किंग जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए, ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अज्ञात वाहन की टक्कर में दो युवकों की दर्दनाक मौत, गांव में शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/अहमदगढ़। शिकारपुर तहसील के कस्बा अहमदगढ़ क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंटी (22) पुत्र धर्मवीर, निवासी ग्राम पापड़ी तथा उसका दोस्त करण (22) पुत्र यादराम, निवासी अहमदगढ़, होटल पर खाना खाने के बाद मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक बंटी होटल के पास पहुंची, तभी किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर अहमदगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शिकारपुर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने बंटी को मृत घोषित कर दिया, जबकि करण की गंभीर स्थिति को देखते हुए पहले जिला अस्पताल बुलंदशहर और फिर मेरठ के हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया। मेरठ ले जाते समय रास्ते में करण ने भी दम तोड़ दिया। दोनों युवकों की मौत की सूचना मिलते ही उनके गांवों में शोक की लहर फैल गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी विशंभर दयाल गंगवार ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

30 जुलाई को लगायी जाएगी सचल ग्राम न्यायालय

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सचल ग्राम न्यायालय (Mobile Village Court) ऐसा न्यायिक एवं जनसेवा कार्यक्रम होता है, जिसमें न्यायिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा संबंधित विभाग गांव या क्षेत्र में जाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करते हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण जनता को उनके क्षेत्र में ही सरल, त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना होता है। सचल ग्राम न्यायालय के मुख्य उद्देश्य- ग्रामीणों को न्यायालय तक बार-बार जाने की परेशानी कम करना, छोटे-मोटे विवादों का मौके पर समाधान करना लोकहितकारी योजनाओं एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, आपसी समझौते एवं सुलह को बढ़ावा देना, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, पेंशन, प्रमाण पत्र, राजस्व संबंधी समस्याएं, सरकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें आदि मामलों को सुना जाता है। कई मामलों का मौके पर समझौते से समाधान कराया जाता है तथा आवश्यक मामलों में आगे की कानूनी प्रक्रिया बताई जाती है। यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जाती है। जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि न्याय को ग्राम स्तर तक सुलभ एवं सरल बनाने के उद्देश्य से दिनांक 30 जुलाई 2026 को नगर पंचायत भवन, तहसील मेंहदावल में सचल ग्राम न्यायालय का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजन में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों, वाद-विवाद एवं आपसी विवादों के समाधान हेतु संबंधित विभागों के अधिकारी एवं न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पहासू में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, सभी आरा मशीनें सील; अवैध लकड़ी कटान पर कसा शिकंजा

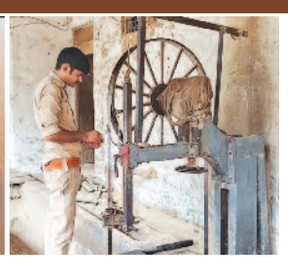

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। बुलंदशहर जनपद के कस्बा पहासू में वन विभाग ने अवैध लकड़ी कटान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए संचालित सभी आरा मशीनों को सील कर दिया। यह कार्रवाई वन क्षेत्राधिकारी खुर्जा आदित्य सिंह के नेतृत्व में की गई।

वन क्षेत्राधिकारी आदित्य सिंह ने बताया कि काफी समय से आरा मशीन संचालकों के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। जांच में सामने आया कि कुछ संचालक कथित तौर पर वन माफियाओं के साथ मिलकर आम, जामुन और शीशम जैसी मूल्यवान लकड़ियों का अवैध कटान कर आरा मशीनों पर उनकी चिराई कर रहे थे।

वन विभाग की इस कार्रवाई से आरा मशीन संचालकों में हड़कंप मच गया। विभाग ने संकेत दिए हैं कि नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ भारी जुमार्ना और अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। वन विभाग का कहना है कि अवैध कटान और लकड़ी तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डिबाई के लाल ने किया कमाल, भारत सरकार में वैज्ञानिक बने डॉ. राम सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। क्षेत्र के गांव ईशनपुर के निवासी डॉ. राम सिंह का भारत सरकार में ग्रुप 'अ' राजपत्रित अधिकारी (वैज्ञानिक/सहायक प्रोफेसर) के पद पर चयन होने पर गांव में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ. राम सिंह ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के दम पर विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने Indian Institute of Geomagnetism, मुंबई से पीएचडी की, इसके बाद ISRO में पोस्ट-डॉक्टोरल शोध किया।

साथ ही दक्षिण कोरिया में रिसर्च साइंटिस्ट तथा Peru/ Cornell University (USA) में शोधकर्ता के रूप में अपनी सेवाएं देकर देश और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

वर्तमान में उनकी नियुक्ति तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में भारत सरकार के वैज्ञानिक के रूप में हुई है। विधायक सीपी सिंह लोधी ने कहा कि डॉ. राम सिंह की यह उपलब्धि पूरे डिबाई क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह साबित करती है कि कठिन परिश्रम एवं लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख पति अनार सिंह, मंडल महामंत्री होशियार सिंह, मंडल महामंत्री रज्जन लोधी, मंगल सिंह, प्रेम सिंह, महिपाल सिंह, छात्रपाल सिंह, राहुल लोधी, के.पी. सिंह, सुरेंद्र प्रधान, प्यारेलाल वर्मा, प्रधान राजवीर सिंह, नत्थू सिंह, रूपेंद्र कुमार लोधी सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ढमोला स्मार्ट ब्रिज पर सुरक्षा परत बिछाने का कार्य शीघ्र पूरा करें: मंडलायुक्त

स्मार्ट सिटी चेयरमैन/मंडलायुक्त ने की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की समीक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। स्मार्ट सिटी चेयरमैन/मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार ने आज सहारनपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान परियोजनाओं के क्रियान्वयन, गुणवत्ता एवं लंबित वित्तीय प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने परियोजनाओं के सम्बंध में विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में स्मार्ट सिटी के उप महाप्रबंधक वित्त मोहित मिश्रा एवं उप महाप्रबंधक परियोजना दिनेश सिंघल ने परियोजनाओं की वित्तीय एवं तकनीकी प्रगति से विस्तार से अवगत कराया। मंडलायुक्त ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को लंबित वित्तीय प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करते हुए फाइनेंशियल क्लोजर की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यूपीपीसीएल से संबंधित लंबित प्रकरणों में सहारनपुर स्मार्ट सिटी के हित में आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए।

मंडलायुक्त ने डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान चिह्नित कमियों की समीक्षा करते हुए संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को सभी कमियों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने राकेश सिनेमा एवं सपना सिनेमा के मध्य ढ़मोला नदी पर निर्मित स्मार्ट रोड ब्रिज पर वियरिंग कोट (सुरक्षा परत) का कार्य प्राथमिकता के साथ कराने के निर्देश कार्यदायी संस्था को दिए। उन्होंने वेयरिंग कोट का कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरा कराने पर जोर दिया।

समीक्षा बैठक से पूर्व सहारनपुर स्मार्ट सिटी लि. की एक वार्षिक आम बैठक भी स्मार्ट सिटी चेयरमैन/मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिलाधिकारी अरविंद चौहान, स्मार्ट सिटी सीईओ/नगर आयुक्त शिपू गिरि व एसडीए के उपाध्यक्ष सूरज पटेल, मुख्य अभियंता निर्माण राजेंद्र प्रसाद मिश्र, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार (ऑन लाइन) मुख्य अभियंता विद्युत हेमराज सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी तथा निदेशक प्रमोद सडाना आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी: बोहरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बाड़मेर राजस्थान। जन कल्याण संस्थान बाड़मेर की ओर से थार नगरी, बाड़मेर को ग्रीन सिटी बनाने को लेकर एक घर एक पौधा अभियान के माध्यम से निरन्तर पौधारोपण किया जा रहा है। जिस कड़ी में मंगलवार को अरिहन्त नगर में संस्थान अध्यक्ष व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया। तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। जन कल्याण संस्थान के सदस्य हरीश बोथरा ने बताया कि जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से एक घर एक पौधा अभियान के तहत मंगलवार को अरिहन्त नगर में अलग-अलग किस्म के पौधे लगाएं। साथ ही उन्हें संरक्षित करने की पुख्ता व्यवस्था की। बोथरा ने बताया कि संस्थान पिछले 7-8 वर्षों से नियमित रूप से डोर टू डोर पौधारोपण कर आमजन को जागरूक करने का कार्य कर रही है। संस्थान अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि प्रकृति में पेड़-पौधों का अतुलनीय महत्व है। ऐसे में हमें अधिकतम पौधारोपण कर उन्हें संरक्षित करने की जरूरत है। अमन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। शुद्ध पर्यावरण से ही पृथ्वी पर जीवन सहज व आसान हो सकेगा।

डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय एवं आईआईटीरोपड़ के सहयोग से सीपीएस लैब का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के सहयोग से आईआईटी रोपड़ सीपीएस लैब का शुभारंभ किया। यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला राष्ट्रीय मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स के अंतर्गत, शिक्षा मंत्रालय तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से स्थापित की गई है। प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो.राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. राधिका त्रिखा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी , अवध टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब, क्क्क्ळ रोपड़ तथा डॉ. मुकेश केस्टवाल, मुख्य नवाचार अधिकारी क्क्क्ळ रोपड़ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की ओर सेप्रो. (डॉ.) डी. के. मोदी, कुलाधिपति, प्रो. (डॉ.) पी. एन. ह्रषीकेशा, कुलपति, डॉ. एस. के. नायर, डॉ. संजय गुप्ता, यू. एन. मिश्रा, डॉ. दीपांकर शर्मा, तरुण, सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ समारोह में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स के अंतर्गत स्थापित इस सीपीएस लैब का उद्देश्य विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा नवाचार-आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है। मुख्य अतिथि प्रो. राजीव आहूजा ने अपने संबोधन में कहा कि देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के मध्य इस प्रकार का सहयोग विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने, उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करने तथा वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अत्याधुनिक सीपीएस लैब विद्यार्थियों एवं शोधकताओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , इंटरनेट ऑफ थिंग्स , रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, एम्बेडेड सिस्टम्स, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग तथा इंडस्ट्री 4.0 जैसी आधुनिक तकनीकों पर कार्य करने हेतु विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए नवाचार, स्टार्टअप, अनुसंधान, उद्यमिता तथा उद्योगोन्मुख कौशल विकास के नए अवसर सृजित करेगी। यह सहयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, बहुविषयक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दो संस्थान - एकसाझा दृष्टिः नवीनता, उत्कृष्टता और प्रभाव डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय एवं आईआईटी रोपड़ का साझा उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, प्रतिभाओं को सशक्त बनाना तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में वास्तविक एवं प्रभावी परिवर्तनलाना है। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह पहल डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय की तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करती है तथा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोलती है। साथ ही, यह उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, नवाचारी एवं राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बनाएगी।

बिजली की समस्याओं को लेकर किसान यूनियन ने बिजली घर पर किया प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत निवाड़ी में बिजली के जर्जर तार बिजली के जर्जर खंबो बार-बार बिजली कट लगना, रात्रि में लाइनमैन का ना होना आदि समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा ने मोदीनगर एक्शन ऑफिस पर अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। वैभव पब्लिक स्कूल निवाड़ी से लेकर शिव मंदिर तक बिजली की लाइन जर्जर हो चुकी है और नीचे लटकि पड़ी है कितनी बार विद्युत विभाग को लिखित में देने के बावजूद भी आज तक उसे ठीक नहीं कराया गया। इस जर्जर लाइन के नीचे से कई सौ कांवडिया शिव मंदिर पर आएंगे, वह जर्जर लाइन इतनी नीचे है कि उसमें भोलो की कावड़ टच हो सकती है। जिससे बड़ा हादसा होने की उम्मीद है। इस जर्जर लाइन के नीचे से कई पब्लिक स्कूल दो इंटर कॉलेज के बच्चो का आने जाने का रास्ता है।नगर पंचायत निवाड़ी में काफी बिजली के खंभे जर्जर हो चुके हैं,जो कि लोगों के मकान की तरफ झुक गए हैं जिससे छत के ऊपर बच्चे खेलते है घरवालों को उनका डर रहता है। कभी भी बड़ा हादसा होने की उम्मीद है। अगर जल्द से जल्द इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन किसान सभा व क्षेत्र के किसान मिलकर मोदीनगर एक्शन ऑफिस पर धरना प्रदर्शन करेंगे,बड़ी पंचायत की जाएगी। प्रदर्शन करने वालों में राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी, युवा जिला अध्यक्ष रोहित चौधरी, वॉइस चैयरमेन कोऑपरेटिव सोसाइटी आदित्य त्यागी, सभासद राजकुमार त्यागी,पूर्व सभासद अवनीश त्यागी, रविंद्र त्यागी,राजन त्यागी,कामिल सारा, सुनील त्यागी,बृजमोहन वर्मा, मुकेश त्यागी, सुबोध त्यागी, मदनलाल फौजी, जाकिर खान, समद खान आदि लोग मौजूद रहे।

आर.के.जी.आई.टी. में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

एन.आई.टी.टी.टी.आर.चंडीगढ़ के सहयोग एवं इंटेल के तकनीकी सहयोग से शिक्षकों को ए.आई. तकनीक से सशक्त बनाने की पहल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गाजियाबाद के एम.सी.ए. विभाग द्वारा एन.आई.टी.टी.टी.आर., चंडीगढ़ के सहयोग एवं इंटेल के तकनीकी सहयोग से ह्यए.आई. फॉर फ्यूचर वर्कफोर्सह्ल विषय पर पांच दिवसीय शॉर्ट-टर्म फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) एवं मशीन लर्निंग (एम.एल.) की नवीनतम अवधारणाओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराना तथा उन्हें भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करना था। यह कार्यक्रम एम.सी.ए. विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिवा गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जबकि असिस्टेंट प्रोफेसर श्री शैलेंद्र सिंह चौहान ने प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विभिन्न तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थानों के फैकल्टी सदस्यों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने स्मार्ट फ्रेमवर्क के माध्यम से एक्शन प्लान तैयार करने, न्यूरल नेटवर्क मॉडल के विभिन्न प्रकार, ऑरेंज डेटा माइनिंग टूल पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण तथा कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रासंगिकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. शिवा गर्ग ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप अपने ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) बी.सी. शर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार आधारित शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) डी.के. चौहान ने एम.सी.ए. विभाग को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं रोजगार क्षमता को मजबूत करने में सहायक हैं। समापन अवसर पर प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर शैलेंद्र सिंह चौहान ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञ वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोदी कॉलेज में सीनियर डिवीजन एन सी सी भर्ती प्रक्रिया संपन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में 35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के तत्वाधान में एन सी सी कैडेट्स की भर्ती की गई। लैफ्टिनेंट राजीव जांगिड के अनुसार वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल पीयूष कुमार सिंह के निर्देशन में चली भर्ती प्रक्रिया में कक्षा 11 के 430 छात्रों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 80 कैडेट्स का चयन किया जाएगा जो 2 वर्षीय प्रशिक्षण के उपरांत एन सी सी काह्यइह्ल प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे।कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने बताया कि वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल पीयूस कुमार सिंह के नेतृत्व में आयी भर्ती ऑफि सर्स की टीम ने छात्रों की शारीरिक माप तौल,दौड,सिट-अप,पुस-अप आदि शारीरिक दक्षता की जाँच करने के उपरांत मेडिकल चेकअप एवं लिखित परीक्षा के आधार पर कैडिटस का चयन किया जाएगा। कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल ने कैडेट्स को उनकी ज़िम्मेदारी से अवगत कराते हुए उन्हें पर्यावरण संरक्षण करने, पौधारोपण करने एवं अच्छे नागरिक बन सामाजिक बुराईयों को दूर करने में मदद करने के लिए प्रेरित किया। विदित हो कि दिवर्षीय प्रशिक्षण के दौरान एन सी सी कैडेट्स एन सी सी के मोटो एकता और अनुशासन का पालन करते हुए एन सी सी के उद्देश्यों को प्राप्त कर राष्ट्र के विकास में योगदान करने का काम करते हैं।इस मौके पर वाहिनी से सूबेदार भारत, सूबेदार अफ्तार हुसैन, नायब सुबेदार सूर्य मान घाले,हवलदार दीपक,हवलदार देवेंद्र बिस्ट ,एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर,लेफि्टनेंट राजीव जांगिड,खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह,गौरव त्यागी एवं एन सी सी कैडेट ध्रुव,इशु तितोरिया, आयुष, शिवांशु यादव आदि का विशेष सहयोग रहा।

एमआईईटी ने एनसीआर एलुमनाई चैप्टर का किया शुभारंभ, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

पूर्व छात्रों को संस्थान से जोड़ने और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सशक्त मंच बनेगा एलुमनाई चैप्टर : गौरव अग्रवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) ने पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एमआईईटी एलुमनाई एनसीआर चैप्टर का भव्य शुभारंभ कंट्री इन एंड सुइट्स बाय रैडिसन, साहिबाबाद में किया। कार्यक्रम में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए और वर्षों बाद एक मंच पर मिलकर पुरानी यादें ताजा करने के साथ संस्थान के विकास में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, मैनेजमेंट सदस्य ऊषा अग्रवाल एवं बरखा अग्रवाल, प्लेसमेंट डायरेक्टर आकांक्षा अग्रवाल तथा निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्थान की छात्र सांस्कृतिक समितियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। साथ ही मनोरंजक खेलों एवं इंटरैक्टिव गतिविधियों में पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमआईईटी एलुमनाई एनसीआर चैप्टर की नई कार्यकारिणी का गठन रहा। सर्वसम्मति से विनीत गुप्ता को अध्यक्ष, डॉ. प्यारे मोहन को सचिव तथा मयंक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने संस्थान और पूर्व छात्रों के बीच संवाद को और सशक्त बनाने, प्रोफेशनल नेटवर्किंग को बढ़ावा देने, विद्यार्थियों के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम संचालित करने तथा संस्थान के विकास में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान एमआईईटी एलुमनाई एनसीआर चैप्टर के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण किया गया। इसके पश्चात आयोजित एलुमनाई परिचय सत्र, नेटवर्किंग गतिविधियां, पूर्व छात्रों की रैंप वॉक एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने पूर्व छात्रों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नवगठित एनसीआर एलुमनाई चैप्टर संस्थान और पूर्व छात्रों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि यह मंच विद्यार्थियों को अनुभवी पूर्व छात्रों के मार्गदर्शन, उद्योग जगत से बेहतर जुड़ाव तथा करियर विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सुनीं जनता की फरियाद, शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध श्री केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में जनसुनवाई करते हुए शिकायत लेकर पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने फरियादियों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की गहन जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से जनसुनवाई कर लोगों की समस्याओं को सुना जा रहा है और उनका प्रभावी समाधान कराया जा रहा है। इस दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों को शिकायतों की प्रगति पर नजर रखने और समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने के निर्देश भी दिए गए।

बारिश के बाद नोएडा में प्रशासन अलर्ट, जलभराव वाले इलाकों में अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा। बारिश के बाद शहर में बिगड़े हालात का जायजा लेने के लिए प्रशासनिक अधिकारी मंगलवार को सड़कों पर उतरे। वरिष्ठ अधिकारियों ने नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर जलभराव, जलनिकासी व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कार्यों की समीक्षा की और मौके पर मौजूद टीमों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर जलनिकासी की प्रक्रिया को तेज किया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि बारिश के बाद उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान और बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर आबकारी विभाग अलर्ट, गाजियाबाद की 170 शराब की दुकानें रहेंगी पूरी तरह ढकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद आबकारी विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले में संचालित 170 शराब की दुकानों को पूरी तरह ढकने के निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या आपत्ति का सामना न करना पड़े। आबकारी अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि जिले में संचालित सभी देसी शराब के ठेके, भांग की दुकानें तथा कंपोजिट मॉडल शॉप को पूरी तरह से कवर करना अनिवार्य होगा। सभी लाइसेंस धारकों को इस संबंध में सख्त निर्देश दिए गए हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए आबकारी विभाग ने छह निरीक्षण टीमों का गठन किया है। ये टीमें लगातार दुकानों का निरीक्षण कर निर्धारित दिशा-निदेर्शों के पालन की जांच करेंगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेक चोर पुलिस के शिकंजे में: 100 मास्टर चाबियां, 12 लाख के जेवर और 1.1 किलो गांजा बरामद

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने बंद मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर हाईटेक चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। थाना बीटा-2 पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100 से अधिक मास्टर चाबियां, करीब 12 लाख मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात तथा 1.1 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी चोरी के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी में भी संलिप्त था और पुलिस से बचने के लिए मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलता था। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने बताया कि थाना बीटा-2 पुलिस ने 28 जुलाई की रात सिटी पार्क, नवादा के पास से अलीगढ़ निवासी साहिल पुत्र रज्जाक को गिरफ्तार किया। पुलिस को लंबे समय से ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में बंद मकानों में चोरी की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके खुलासे के लिए लगातार निगरानी और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले कॉलोनियों और सेक्टरों में घूमकर बंद मकानों की रेकी करता था। इसके बाद मास्टर चाबियों की मदद से ताले खोलने का प्रयास करता और सफल न होने पर ताला तोड़कर घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से बरामद 100 से अधिक मास्टर चाबियों का इस्तेमाल वह अलग-अलग प्रकार के ताले खोलने में करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि अल्फा सेक्टर में हुई हालिया चोरी की वारदात भी उसी ने अंजाम दी थी। बरामद जेवरात का मिलान दर्ज मुकदमों से किया जा रहा है ताकि वास्तविक मालिकों को उनका सामान लौटाया जा सके। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 1.1 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह चोरी के साथ-साथ गांजे की तस्करी भी करता था। पुलिस अब उसके सप्लाई नेटवर्क और संभावित साथियों की तलाश में जुटी है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलता था। पुलिस अब वाहन की वास्तविक पहचान और फर्जी नंबर प्लेट के नेटवर्क की भी जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि आरोपी से पूछताछ में जनपद और आसपास के क्षेत्रों में हुई कई अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, चोरी और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कांवड़ यात्रा 2026 को लेकर गाजियाबाद पुलिस अलर्ट, दिल्ली समेत चार जिलों के साथ बना सुरक्षा का महाप्लान

29 जुलाई से शुरू होगा डायवर्जन, सीमाओं पर बढ़ेगी निगरानी

- रियल टाइम अपडेट के लिए बनेगा व्हाट्सएप नेटवर्क

कपिल चौहान

29 जुलाई से लागू होगा यातायात प्लान

कांवड़ यात्रा को देखते हुए गाजियाबाद में व्यापक डायवर्जन व्यवस्था लागू की जाएगी। गंगनहर पटरी मार्ग, पाइपलाइन मार्ग, एनएच-34 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चरणबद्ध तरीके से वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की जाएगी। भारी वाहनों के लिए 29 जुलाई सुबह 8 बजे से 12 अगस्त तक नो-एंट्री और डायवर्जन लागू रहेगा। वहीं हल्के वाहनों, बसों और ऑटो के लिए 5 अगस्त से विशेष यातायात व्यवस्था लागू होगी।

शिविर संचालकों को भी दिए निर्देश

कांवड़ सेवा शिविरों को सड़क से उचित दूरी पर लगाने, सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन उपकरण और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि कांवड़ यात्रा के दौरान लागू यातायात नियमों और डायवर्जन व्यवस्था का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें।

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस लाइन सभागार में मंगलवार को अंतरराज्यीय एवं अंतरजनपदीय समन्वय गोष्ठी आयोजित कर दिल्ली पुलिस समेत आसपास के जिलों के अधिकारियों के साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का खाका तैयार किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं यातायात) ने की। इसमें गाजियाबाद, दिल्ली, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, हापुड़ और बुलंदशहर के पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन और आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े रहेंगे सीमावर्ती जिले

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी सूचना को तुरंत साझा करने के लिए सीमावर्ती थानों और अधिकारियों का विशेष व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसके जरिए श्रद्धालुओं की संख्या, यातायात दबाव और किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तत्काल साझा की जाएगी।

असामाजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर

बैठक में सीमावर्ती इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने श्रद्धालुओं से निर्धारित कांवड़ मार्ग का ही उपयोग करने, पहचान पत्र साथ रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

सोया चाप फैक्ट्री में मिली गंदगी की भरमार, खाद्य विभाग ने 200 किलो माल कराया नष्ट

शालीमार गार्डन में छापेमारी से मचा हड़कंप, फैक्ट्री का लाइसेंस निलंबित करने की संस्तुति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को सोया चाप निर्माण इकाई पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में स्वच्छता मानकों की अनदेखी करते हुए गंदे माहौल में खाद्य पदार्थ तैयार किए जाने का मामला सामने आया। टीम ने मौके पर 200 किलो सोया चाप नष्ट कराया और फैक्ट्री का पंजीकरण निलंबित करने की संस्तुति की। जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्कसुरेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में टीम ने गणेशपुरी भाटी चौक स्थित घनश्याम चाप फैक्ट्री का निरीक्षण किया। जांच के दौरान परिसर में अत्यधिक गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियां मिलने पर अधिकारियों ने कार्रवाई की।

टीम ने फैक्ट्री से रंगीन सोया चाप, सफेद सोया चाप और मैदा के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, खराब परिस्थितियों में तैयार किया जा रहा करीब 20 हजार रुपये कीमत का 200 किलो सोया चाप मौके पर ही नष्ट कराया गया।

खाद्य विभाग ने फैक्ट्री संचालकों को तत्काल खाद्य निर्माण कार्य बंद रखने के निर्देश दिए हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने कहा है कि मिलावट और खाद्य मानकों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

वाहन चोरों पर पुलिस का बड़ा प्रहार: 13 बाइक-स्कूटी बरामद, दो शातिर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 13 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं, जिनमें 10 मोटरसाइकिल और 3 स्कूटी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, बरामद वाहनों में थाना मधुबन बापूधाम, सिहानी गेट समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई बाइक और स्कूटी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित कुमार और शाहरुख खान निवासी ग्राम पिपलैड़ा, थाना धौलाना, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। दोनों को पुलिस ने नियमित चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह पहले इलाके की रेकी करता था और मौका मिलते ही दोपहिया वाहन चोरी कर उन्हें सस्ते दामों में बेच देता था। पुलिस ने बताया कि गिरोह के दो अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

अंधेरे में अवंतिका कॉलोनी, कागजों में उजाला!

आईजीआरएस पर शिकायत बंद, जमीनी हकीकत जस की तस; कवि नगर जोन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि प्रदेश की कोई भी सड़क, गली या सार्वजनिक स्थान अंधेरे में न रहे, लेकिन गाजियाबाद की अवंतिका कॉलोनी में तस्वीर इसके उलट दिखाई दे रही है। स्ट्रीट लाइट न होने की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर दर्ज होने के बावजूद क्षेत्र आज भी अंधेरे में डूबा हुआ है।

शिकायतकर्ता आशु का आरोप है कि संदर्भ संख्या 40014026047077 पर दर्ज शिकायत का वास्तविक समाधान करने के बजाय कवि नगर जोन से औपचारिक रिपोर्ट लगाकर मामला बंद कर दिया गया। रिपोर्ट में स्थल निरीक्षण और वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद कार्य कराने की बात कही गई, जबकि मौके पर स्थिति पहले जैसी ही बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम कार्यालय में लिखित शिकायत देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कवि नगर जोन में शिकायतों के निस्तारण से ज्यादा उन्हें कागजों में समाप्त करने की परंपरा बनती जा रही है। लोग कई-कई बार नगर निगम और जोन कार्यालय के चक्कर लगाते हैं, लेकिन समाधान नहीं मिलता।

अब इस मामले में एक बड़ा सवाल भी उठ रहा है। नगर निगम हर वर्ष कितनी स्ट्रीट लाइट खरीदता है, कितनी विभिन्न वार्डों में लगाई जाती हैं और कितनी अब भी स्टोर में पड़ी हैं? यदि सरकार स्ट्रीट लाइट उपलब्ध करा रही है तो अंधेरे वाले क्षेत्रों तक वे क्यों नहीं पहुंच रही हैं? क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि स्ट्रीट लाइट की खरीद, वितरण और स्थापना का वार्डवार ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए, ताकि सरकारी संसाधनों के उपयोग में पारदर्शिता बनी रहे।

लोगों का कहना है कि वे नियमित रूप से हाउस टैक्स जमा करते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाएं भी समय पर नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में नगर निगम की जवाबदेही तय होना जरूरी है। क्षेत्रवासियों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, आईजीआरएस पर लगाए गए निस्तारण की समीक्षा और अवंतिका कॉलोनी में तत्काल स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

खुला फाटक, दौड़ती मालगाड़ी... रेलवे की लापरवाही से बाल-बाल बचीं कई जिंदगियां

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा के एनटीपीसी-दादरी रेल सेक्शन पर रेलवे की बड़ी लापरवाही सामने आई है। सलारपुर गांव के पास स्थित रेलवे फाटक खुला रहा, जबकि उसी दौरान ट्रैक से मालगाड़ी गुजरती रही। फाटक पर स्कूल वैन समेत कई वाहन मौजूद थे, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में फाटक खुला दिखाई दे रहा है और वाहन रेलवे लाइन के पास मौजूद हैं, जबकि मालगाड़ी ट्रैक से गुजर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि थोड़ी सी भी चूक हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बताया जा रहा है कि यह रेलवे लाइन एनटीपीसी प्लांट तक जाती है, जहां नियमित रूप से मालगाड़ियों का संचालन होता है। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, इस मामले में रेलवे की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

बेटे के जन्म की खुशी मातम में बदली: डिलीवरी के कुछ ही देर बाद महिला की मौत, अस्पताल पर लापरवाही के गंभीर आरोप

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में डिलीवरी के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने नवजीवन अस्पताल के चिकित्सकों और प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बागराणप निवासी 27 वर्षीय काजल, पत्नी हरीश कुमार, को 27 जुलाई की दोपहर प्रसव के लिए बंथला फ्लाईओवर के पास स्थित नवजीवन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 28 जुलाई तड़के करीब 3:15 बजे उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि डिलीवरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया,

लेकिन अस्पताल की ओर से समय पर उचित उपचार नहीं दिया गया और मरीज को रेफर करने में भी देरी की गई।

मृतका के पति हरीश कुमार का आरोप है कि डॉक्टर सुमन त्यागी और अस्पताल स्टाफ की लापरवाही के कारण उनकी पत्नी की हालत लगातार बिगड़ती गई। बाद में उन्हें जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया, जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने काजल को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि शव लेकर अस्पताल पहुंचने पर अस्पताल संचालकों ने उन्हें धमकाया। वहीं, नवजात शिशु अभी भी अस्पताल में भर्ती बताया जा रहा है।

एसीपी लोनी रामकिशन राना ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच के लिए सीएमओ गाजियाबाद को पत्र भेजा गया है। जांच में यदि किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है।

मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न पर परिवहन विभाग का शिकंजा, एक सप्ताह में 44 वाहनों पर कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग ने मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न लगे वाहनों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बताया कि 21 जुलाई से 27 जुलाई 2026 तक चले अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर सघन जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

विभाग के अनुसार जांच के दौरान 26 वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर और 18 वाहनों में प्रेशर हॉर्न का उपयोग पाया गया, जिनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके अलावा मॉडिफाइड साइलेंसर बेचने वाले दुकानों और गैराजों का भी औचक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने कहा कि अनधिकृत साइलेंसर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करते हैं, जिससे आम नागरिकों, विद्यार्थियों, बुजुर्गों और मरीजों को परेशानी होती है। साथ ही यह सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों के भी विपरीत है।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वाहनों में अनधिकृत बदलाव और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उपकरणों का उपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभाग ने वाहन चालकों से मानक और अनुमोदित साइलेंसर का ही उपयोग करने तथा सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।